RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:20 ता. 14 जुलाई 2022, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

उदयपुर हत्या मामला: तीन आरोपियों को एनआईए ने फिर लिया रिमांड पर

- एनआइए ने चार आरो पियों को भेजा जेल

जयपुर । उदयपुर हत्या मामले में गिरफ्तार किए गए 7 आरोपियों में से 3 को कोर्ट ने फिर से एनआईए को रिमांड पर सौंप दिया है। वहीं शेष 4 आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। एनआईए ने गिरफ्तार सातों आरोपियों की रिमांड अवधि समाप्त होने पर फिर से बापर्दा कोर्ट में पेश किया। एनआईए ने कोर्ट में दोनों मुख्य आरोपी मोहम्मद गौस और रियाज अत्तारी के साथ फरहाद मोहम्मद शेख उर्फ बाबला की रिमांड मांगी। कोर्ट में एनआईए की ओर से कहा गया कि अभी मामले कई एंगल्स पर जांच होना शेष है। इसके लिए इन तीनों आरोपियों से और पूछताछ करना जरुरी है। ऐसे में इन्हें रिमांड पर सौंपा जाए। इस पर कोर्ट ने तीनों आरोपियों को 16 जुलाई तक एनआईए को रिमांड पर सौंप दिया। एनआईए के विशेष लोक अभियोजक टीपी शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार 7 आरोपियों में से 4 का रिमांड एनआईए ने नहीं मांगा था। इन आरोपियों से पूछताछ पूरी हो चुकी है। ऐसे में कोर्ट ने मोहसिन खान उर्फ भाई, आसिफ हुसैन, मोहम्मद मोहसिन और वसीम अली को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। इन चारों आरोपियों की गिरफ्तारी दोनों मुख्य आरोपियों से पूछताछ के बाद हुई थी। इन सभी पर षड़यंत्र में शामिल होन का आरोप है। दरअसल तत्कालीन बीजेपी प्रवक्ता नुपुर शर्मा के समर्थन में पोस्ट करने वाले टेलर कन्हैयालाल साहू की निर्मम हत्या 28 जून को उनकी दुकान पर की गई थी। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपियों मोहम्मद गौस और रियाज अत्तारी ने हत्या का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल किया था। घटना से पूरे देश में आक्रोश फेल गया था।

अशोक स्तंभ विवाद: विवेक अग्निहोत्री ने विरोधियों को अर्बन नक्सल कहा

मुंबई । पिछले कुछ दिनों से नए संसद भवन सेंट्रल विस्टा पर लगने वाले राष्ट्रीय प्रतीक अशोक की लाट पर काफी विवाद हो रहा है। सारनाथ में मिले अशोक स्तंभ से लिए गए इस राष्ट्रीय चिह्न के अनावरण के बाद विपक्षी पार्टियों के कई लोग आरोप लगा रहे हैं कि केंद्र सरकार ने जानबूझकर अशोक की लाट में शेरों को हिंसक दिखाया है और राष्ट्रीय चिह्न का अपमान किया है। कई राजनीतिक हस्तियों के बाद अब बॉलीवुड फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री ने भी विपक्ष पर निशाना साधा है। विवेक अग्निहोत्री ने इस मुद्दे पर प्रशांत भूषण के ट्वीट को शेयर करते हुए लिखा, अर्बन नक्सल बिना दांतों वाला शांत शेर चाहते हैं, ताकि वे इन्हें पालतू जानवरों की तरह इस्तेमाल कर सके। एक अन्य ट्वीट में विवेक ने एक बार फिर निशाना साधते हुए लिखा कि सेंट्रल विस्टा के नए राष्ट्रीय प्रतीक ने एक बात साबित कर दी है कि अर्बन नक्सलों को केवल एंगल बदलकर मूर्ख बनाया जा सकता है। खास तौर पर नीचे के एंगल से। बता दें कि सोमवार को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेंट्रल विस्टा में राष्ट्रीय प्रतीक अशोक की लाट का अनावरण किया था। इस दौरान लोकसभा के स्पीकर ओम बिड़ला और राज्यसभा के अप सभापति हरिवंश भी मौजूद रहे। राष्ट्रीय प्रतीक सारनाथ में मिले सम्राट अशोक के स्तंभ की प्रतिलिपि है। इसमें चार शेर अलग-अलग दिशाओं में मुंह किए नजर आते हैं।

'रामसेतु' को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट में इस दिन होगी सुनवाई

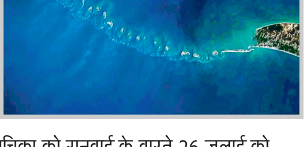

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट 'रामसेतु' को राष्ट्रीय विरासत स्मारक घोषित करने के अनुरोध वाली याचिका को सुनवाई के वास्ते 26 जुलाई को सूचीबद्ध करने के लिए बुधवार को सहमत हो गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी की ओर से दायर याचिका में न्यायालय से केंद्र सरकार को 'रामसेतु' को राष्ट्रीय विरासत स्मारक घोषित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। रामसेतु, तमिलनाडु के दक्षिण-पूर्वी तट पर पंबन द्वीप और मन्नार द्वीप के बीच चूना पत्थर की बनी एक श्रृंखला है। प्रधान न्यायाधीश एन.वी. रमण, न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की एक पीठ ने स्वामी ओर से दाखिल किए एक प्रतिवेदन पर गौर किया, जिसमें इस ''महत्वपूर्ण तथा छोटे से मामले'' को सुनवाई के लिए तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया गया था। मजाक करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि इसे मेरे सेवानिवृत्त होने के बाद सूचीबद्ध किया जाएगा इसके बाद, प्रधान न्यायाधीश ने याचिका को सुनवाई के लिए 26 जुलाई को सूचीबद्ध किया। भाजपा के नेता ने प्रतिवेदन में कहा था कि वह मुकदमे का पहला दौर जीत चुके हैं, जिसमें केंद्र ने रामसेतु के अस्तित्व को स्वीकार किया था। उनके मुताबिक, संबंधित केंद्रीय मंत्री ने इस मांग पर विचार करने के लिए 2017 में एक बैठक बुलाई थी, लेकिन उसके बाद कुछ नहीं हुआ। स्वामी ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के पहले कार्यकाल में शुरू की गई विवादास्पद 'सेतुसमुद्रम शिप चैनल परियोजना' के खिलाफ अपनी जनहित याचिका में रामसेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने का मुद्दा उठाया था।

बाढ़ के प्रकोप से बेहाल भारत, पाकिस्तान व बांग्लादेश

प्राकृतिक आपदा से लाखों लोग बेघरबार

नई दिल्ली ।

इस बार मानसूनी बारिश में इद्रदेव का कोप दक्षिण एशियाई देशों पर बरस रहा है। भारी बारिश के चलते पाकिस्तान, भारत और बांग्लादेश के कई सूबों में बाढ़ के हालात बन गए हैं। इन तीन देशों में भारी बारिश के कारण मौत का आंकड़ा तो बढ़ ही रहा गुमशुदगी के मामले भी सामने आ रहे हैं। हालांकि राहत और बचाव कार्य जारी है। बता दें कि भारी बारिश के कारण बाढ़ और लैंडस्लाइड की घटनाएं हुईं जिसमें सैंकड़ों लोगों की मौत हो गई और लापता हो गए। और जो इसमें बचे हैं उनकी स्थिति बदतर है। भारत में भारी बारिश का असर 50 लाख से अधिक लोगों पर दिख रहा है। मानसून की बारिश ने पूर्वोत्तर राज्यों असम और मेघालय को चपेट में ले लिया है। वहीं हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, मध्यप्रदेश और गुजरात भी इससे बच नहीं पाए हैं। इन राज्यों में भी भारी बारिश के कारण बाढ़ ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। मौतें और लोगों की गुमशुदगी के बीच राहत और बचाव कार्य जारी है। इस क्रम में पाकिस्तान मौसम विभाग ने आज कहा कि इस साल मानसून सिस्टम के कारण बलूचिस्तान में सामान्य से अधिक बारिश हुई वहीं कराची में औसत बारिश हो रही है। पाकिस्तान में सिंध प्रांत के कराची शहर एवं बलूचिस्तान प्रांत में निरंतर बारिश होने एवं बाढ़ आने के कारण कम से कम 68 लोगों की मौत हो चुकी है। यह सोमवार का आंकड़ा है। बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा, बरखान, पिशिन, कोहलू, बोलान , लोरलाई और झोब इलाकों में 63 लोगों की तथा सिंध प्रांत की राजधानी कराची में पांच लोगों की मौत हो गई। यहां के कई इलाके जलमग्न हैं। बलूचिस्तान प्रांत आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि लोगों की मौत के अलावा 50 से अधिक लोग घायल भी हुए हैं। वहीं बांग्लादेश ने इस बार आए बाढ़ को 20 सालों में सबसे बदतर हालात बताया। यहां देश के 64 में से 17 जिलों में मानसून की बारिश कहर बन के आई है। उत्तर और पूर्वोत्तर सिल्हट क्षेत्रों में भारी बारिश का असर देखने को मिल रहा है। 100 से अधिक की मौत हो चुकी है और 7 मिलियन से अधिक लोगों को खाने की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। बाढ़ पूर्वानुमान और चेतावनी केन्द्र (एफएफडब्ल्यूसी) के प्रवक्ता ने कहा, 'देश की चार प्रमुख नदियों में से दो नदियों में जलस्तर खतरे के निशान से बहुत ऊपर है और हालात लगभग 2004 के बाढ़ जैसे हैं।' एफएफडब्ल्यूसी ने मेघालय और बांग्लादेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश को इस बाढ़ का कारण बताया है। बाढ़ का पानी कई बिजली घरों में भर गया है जिसके कारण प्रशासन को इन बिजली घरों को बंद करना पड़ा है जिसके कारण इंटरनेट और मोबाइल फोन संवाद बंद हो गए हैं। मदद के लिए सैन्य सहायता दी गई है।

गुजरात के 27 जलाशयों पर हाईअलर्ट, 12 डैम पर अलर्ट जारी

अहमदाबाद .

गुजरात में पिछले कई दिनों से हो रही बारिश ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है. जहां देखो वहां पानी ही पानी नजर आ रहा है. भारी बारिश के चलते राज्य के नदी-नाले और डैम छलक गए हैं. व्यापक बारिश होने से राज्य के जलाशयों में 46.91 प्रतिशत जलराशि का संग्रह हुआ है. गुजरात की जीवनदायिनी मानी जाती सरदार सरोवर नर्मदा योजना में 160363 एमसीएफटी जलराशि का संग्रह हुआ है, जो संग्रह शक्ति का 48 प्रतिशत है. जलापूर्ति विभाग के फ्लड सेल के आंकड़ों के अनुसार 13 जुलाई 2022 की स्थिति के मुताबिक 21 जलाशय ऐसे हैं, जहां 100 प्रतिशत भी अधिक पानी का संग्रह हुआ है. 30 जलाशयों में 70 से 100 प्रतिशत, 27 जलाशयों में 50 से 70 प्रतिशत, सरदार सरोवर बांध समेत 51 जलाशयों में 25 से 50 प्रतिशत, 77 जलाशयों मं 25 प्रतिशत से भी कम जलराशि है. जिसमें उत्तरी गुजरात के 15, मध्य गुजरात के 17, दक्षिण गुजरात के 13, कच्छ के 20 और सौराष्ट्र के 141 जलाशय शामिल हैं. राज्य में लगातार हो रही बारिश के कारण 27 जलाशयों पर हाईअलर्ट जारी किया गया है. जिसमें 21 जलाशय ऐसे हैं जिसमें 100 प्रतिशत से अधिक जलराशि जमा हुई है. जबकि 6 जलाशयों में 90 से 100 प्रतिशत जलराशि का संग्रह हुआ है. वहीं जिन जलाशयों में 80 से 90 प्रतिशत जलराशि का संग्रह हुआ है ऐसे 12 जलाशयों अलर्ट तथा 70 से 80 प्रतिशत जलराशि का संग्रह करनेवाले 11 डेमों पर सामान्य चेतावनी जारी की गई है. राज्य में भारी बारिश के चलते नवसारी समेत कई इलाकों में घुटनों तक पानी भरा हुआ है. वडोदरा में बरसाती पानी में मगरमच्छों को तैरते देख स्थानीय लोगों में दहशत है. वडोदरा के वाघोडिया रोड पर साढ़े चार फूट का मगरमच्छ देख स्थानीय लोगों में अफरातफरी मच गई. ऐसा पहली बार नहीं हुआ है. हर वर्ष बारिश होने और मही नदी का जलस्तर बढ़ने पर मगरमच्छ रिहाइशी इलाकों तक पहुंच जाते हैं.

कई राज्यों में बुलडोजर का एक्शन, सुप्रीम कोर्ट बोला- अफसरों को कार्रवाई करने से रोक नहीं सकते

(एजेंसी) सुप्रीम कोर्ट ने कई राज्यों में जारी तोड़फोड़ अभियान के खिलाफ अंतरिम निर्देश देने से बुधवार को इनकार करते हुए कहा कि वह अधिकारियों को कार्रवाई करने से रोकने के लिए सर्वव्यापी आदेश पारित नहीं कर सकता। जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा की एक पीठ ने सभी पक्षों से मामले से जुड़ी दलीलों को पूरी करने को कहा और फिर तोड़फोड के खिलाफ जमीयत-उलेमा-ए-हिंद की ओर से दायर याचिका को 10 अगस्त के लिए सूचीबद्ध कर दिया। पीठ ने कहा कि कानून का पालन करना होगा, इसे लेकर कोई विवाद नहीं है। किन्तु क्या हम एक सर्वव्यापी आदेश पारित कर सकते हैं? ऐसा सर्वव्यापी आदेश पारित करने से क्या हम अधिकारियों को उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई करने से नहीं रोकेंगे। शीर्ष अदालत मुस्लिम निकाय द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार और अन्य राज्यों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि हिंसा के हालिया मामलों में कथित आरोपियों की संपत्तियों में और तोड़-फोड़ न की जाए।

केदारनाथ धाम में लगाया गया ऑटोमेटिक वेदर सिस्टम, मौसम बदलने की मिलेगी पल-पल जानकारी

(एजेंसी)

केदारनाथ धाम में मौसम बदलने की पल-पल की जानकारियों के लिए जिला प्रशासन ने नया ऑटोमैटिक वैदर सिस्टम स्थापित किया गया है। यात्रियों की सुविधाओं के लिए ढुढुञ्ज कानपुर के सहयोग से जिला प्रशासन ने इसे लगवाया है। इस सिस्टम से शीघ्र ही मौसम संबंधी गतिविधियों की रीडिंग प्राप्त की जा सकेगी। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि सिस्टम स्थापित होने से केदारनाथ में पुनर्निर्माण कार्यों, यात्रा संचालन, हैलीकॉप्टर संचालन इत्यादि महत्वपूर्ण कार्यों में काफी सहायता प्राप्त हो सकेगी। साथ ही केदारनाथ धाम में दर्शन करने आने वाले तीर्थयात्रियों को मौसम की जानकारी समय से प्राप्त होगी, जिसके चलते श्रद्धालु अपनी यात्रा सुगमता के साथ कर सकेंगे।

भाजपा की ओर हाथ बढ़ा रहे हैं उद्धव ठाकरे

मुंबई । शिवसेना ने राष्ट्रपति चुनाव में नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करने का फैसला किया है। खबर है कि सोमवार को हुई बैठक में पार्टी के 18 में से 12 सांसद पहुंचे और पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे से मुर्मू के समर्थन का अनुरोध किया। अब ठाकरे दावा कर रहे हैं कि उनपर यह फैसला लेने का किसी तरह का दबाव नहीं था, लेकिन उनके इस कदम में कई संकेत मिलते नजर आ रहे हैं। मुर्मू के समर्थन के फैसले के पीछे ठाकरे का एक बड़ा संदेश छिपा हुआ है। उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अच्छे संबंध चाह रहे हैं और केंद्र के साथ भी बिगड़े रिश्तों को सुधारना चाहते हैं। इस फैसले के जरिए ठाकरे अप्रत्यक्ष तौर पर यह दिखाना चाहते हैं कि शिवसेना और भाजपा के रिश्ते खत्म नहीं हुए हैं। एक वरिष्ठ नेता ने शिवसेना के फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा, 'जब पहली बार एक आदिवासी महिला को प्रोजेक्ट किया जा रहा है, तो कोई क्यों आपत्ति उठाएगा? फैसले का विरोध करने की कोई भी कोशिश महाराष्ट्र के आदिवासियों के बीच सही नहीं होगी।' उन्होंने बात में माना कि पार्टी के पास सीमित विकल्प बाकी थे। नेता ने कहा, 'एक ओर हमारे पास मुर्मू के तौर पर शिक्षित और अनुभवी आदिवासी नेता है। वहीं, दूसरी ओर विपक्ष के उम्मीदवार के तौर पर यशवंत सिन्हा हैं। विपक्ष में भी सिन्हा को लेकर सहमति नहीं है। इसके बाद सेना उनका समर्थन क्यों करेगी। भाजपा की तरफ से भी ठाकरे के फैसले का स्वागत किया गया है। एक पार्टी पदाधिकारी ने कहा, 'राजनीति में कोई स्थाई दोस्त या दुश्मन नहीं होता। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व भी ठाकरे के साथ अपने संबंध खत्म नहीं करना चाहता।' पार्टी सूत्रों के हवाले से बताया गया कि भाजपा की कोर कमेटी की बैठक में राज्य और केंद्रीय नेताओं ने कैडर से ठाकरे को निशाना नहीं बनाने की अपील की है।

बढ़ती जनसंख्या किसी धर्म की नहीं बल्कि पूरे देश की समस्या : मुख्तार अब्बास नकवी

नई दिल्ली।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने जनसंख्या विस्फोट को लेकर कहा था कि कहीं ऐसा ना हो कि किसी एक वर्ग की आबादी बढ़ने का प्रतिशत ज्यादा हो रहा हो। उनके इस बयान पर कई नेताओं द्वारा प्रतिक्रिया भी देखने को मिली। इसी कड़ी में अब भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा है कि जनसंख्या विस्फोट को धर्म से जोड़ना जायज नहीं। यह पूरे देश की मुसीबत है। दरअसल, भाजपा नेता और पूर्व अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने मंगलवार को कहा कि जनसंख्या विस्फोट किसी विशेष धर्म की समस्या नहीं है, बल्कि पूरे देश को परेशान करने वाला मुद्दा है। नकवी ने एएनआई से बात करते हुए कहा कि कोई भी देश जनसंख्या विस्फोट की समस्या को नजरअंदाज या बर्दाश्त नहीं कर सकता है। जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए अधिकांश देशों द्वारा किए गए प्रभावी उपायों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। नकवी ने यह भी कहा कि कई जगहों पर लोगों ने बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए अपने प्रयासों में अपनी-अपनी सरकारों और प्रशासन का समर्थन किया है। समाजवादी पार्टी के सांसद शफीकुर रहमान बर्क की टिप्पणी पर कटाक्ष करते हुए नकवी ने कहा कि देश में जनसंख्या विस्फोट को कोई भी नजरअंदाज नहीं कर सकता है। कुछ लोग असीमित समस्याएं पैदा करना चाहते हैं। नकवी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व जनसंख्या दिवस पर लखनऊ में एक कार्यक्रम में यूपी की बढ़ती आबादी पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि जनसंख्या नियंत्रण का कार्यक्रम सफलतापूर्वक आगे बढ़े लेकिन हमें इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि जनसांख्यिकी असंतुलन पैदा न होने पाए। उन्होंने कहा कि ऐसा न हो कि किसी वर्ग की आबादी बढ़ने का प्रतिशत ज्यादा हो और जो मूल निवासी हैं, जागरूकता अभियान चलाकर उनकी जनसंख्या नियंत्रिण कर असंतुलन पैदा कर दिया जाए। बता दें कि ऐसा माना जा रहा है कि उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए की तरफ से मुख्तार अब्बास नकवी के नाम पर लगभग मुहर लग चुकी है। फिलहाल, पार्टी की तरफ से इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुआ है। उधर राष्ट्रपति पद के लिए एनडीए ने द्रौपदी मुर्मू को मैदान में उतारा है। जबकि, विपक्षी दलों के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा हैं।

अग्निपथ योजना पर मनीष तिवारी के रुख से कांग्रेस आलाकमान खुश नहीं

हो सकती है कार्रवाई

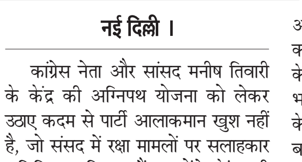

नई दिल्ली ।

कांग्रेस नेता और सांसद मनीष तिवारी के केंद्र की अग्निपथ योजना को लेकर उठाए कदम से पार्टी आलाकमान खुश नहीं है, जो संसद में रक्षा मामलों पर सलाहकार समिति का हिस्सा हैं। उन्होंने केंद्र की अग्निपथ भर्ती योजना को वापस लेने के लिए विपक्ष के ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। तिवारी ने एक ट्वीट में इस योजना को लेकर चिंतित युवाओं के साथ सहानुभूति व्यक्त करते हुए कहा, 'वास्तविकता यह है कि भारत को अत्याधुनिक हथियार प्रौद्योगिकी के जानकार और एक युवा सशस्त्र बल की जरूरत है।' पार्टी के स्टैंड के विपरीत अग्निपथ योजना का खुलकर समर्थन करने वाले मनीष तिवारी के खिलाफ पार्टी के भीतर आक्रोश है। केंद्र की अग्निपथ भर्ती योजना को वापस लेने के लिए विपक्ष के ज्ञापन पर हस्ताक्षर से इनकार करने के बाद नाराजगी और बढ़ गई है। रक्षा संबंधी संसदीय सलाहकार समिति की बैठक में विपक्ष की ओर से अग्निपथ भर्ती योजना को वापस लेने की मांग की गई है। बैठक में कुल 12 सांसदों में से छह विपक्षी दलों के नेता थे जिनमें- कांग्रेस की रजनी पाटिल, शक्तिसिंह गोहिल और मनीष तिवारी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की सुप्रिया सुले, सुदीप बंदोपाध्याय और तृणमूल कांग्रेस के सौगत रॉय (टीएमसी), और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से एडी सिंह ने भाग लिया। तिवारी को छोड़कर सभी विपक्षी नेताओं ने योजना को वापस लेने के लिए एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

बताते चलें कि पार्टी के भीतर चर्चाओं के दौरान मनीष तिवारी को 'कांग्रेस का सुब्रह्मण्यम स्वामी' तक कहा जाता है। इस बीच, कांग्रेस पहले ही मनीष की अग्निपथ योजना के बारे में टिप्पणी को उनकी व्यक्तिगत राय बता चुकी है न कि पार्टी का रुख। मनीष तिवारी को कांग्रेस सस्पेंड करेगी या निष्कासित करेगी अभी यह तय नहीं है। लेकिन सूत्रों की माने तो मनीष के निलंबन पर भी चर्चा हो रही है, साथ ही पार्टी लाइन का पालन नहीं करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई पर भी विचार किया जा सकता है।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि यदि उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया जाता है तो वे संसद सदस्य के रूप में बने रहेंगे। इसलिए निलंबन उन्हें फंसाए रखने के लिए एक बेहतर निर्णय लगता है। खबरों के मुताबिक एनएसयूआई के समय से मनीष तिवारी के पार्टी से जुड़ाव को देखते हुए मामला अटका हुआ है। गेंद अब आलाकमान के पाले में है। सूत्रों के मुताबिक 'मनीष और कांग्रेस के बीच संबंध बेहद कमजोर हो गए हैं। या तो मनीष अपना रुख बदल लें वरना कार्रवाई हो सकती है।' वहीं रक्षा मामलों पर संसदीय सलाहकार समिति की बैठक में विपक्ष ने सेना को राजनीति में घसीटने के लिए सरकार की निंदा की और पूछा कि सशस्त्र बलों के अधिकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस क्यों कर रहे थे? सूत्रों के मुताबिक विपक्ष ने अग्निवीर के लिए बड़ी संख्या में आये आवेदनों पर चर्चा करते हुए बताया कि इसका मुख्य कारण देश में 'बढ़ती बेरोजगारी' है।

विपक्ष ने कहा कि यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि लोगों ने योजना के लिए बड़ी संख्या में आवेदन किया है, क्योंकि देश में भारी बेरोजगारी है।

बीते 24 घंटे में सामने आए 16906 नए मामले, 45 की मौत

देश में कोरोना का प्रकोप तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में कोरोना की घट-बढ़ के बीच इसके घातक वायरस ने फिर लोगों को तेजा से शिकार बनाना शरू कर दिया है इसके संक्रमण में एक बार फिर से इज़ाफा हुआ है। बीते 24 घंटे के दौरान देश भर में 16906 नए मरीज़ मिले हैं। जबकि इस दौरान 45 लोगों की मौत हो गई। एक दिन पहले के आंकड़ों से तुलना की जाए तो करीब 3 हज़ार नए मरीज़ मिले हैं। देशभर में अब एक्टिव मरीजों की संख्या 1 लाख 32 हज़ार के पार पहुंच गई है। जबकि डेली पॉजिटिविटी रेट 3.68 प्रतिशत हो गई है।स्वास्थ्य मंत्रालय के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे के दौरान 15,447 मरीज़ कोरोना से ठीक हुए हैं। दिल्ली में मंगलवार को कोविड-19 के 400 नए मामले सामने आए और संक्रमण दर 2.92 प्रतिशत रही जबकि एक मरीज की मृत्यु हो गयी। स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन में कहा गया है कि नए मामलों के साथ दिल्ली में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 19,41,415 हो गई है और मृतक संख्या 26,285 पर बनी रही।राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को कोविड-19 के 280 मामले सामने आए थे लेकिन किसी मरीज की मौत नहीं हुई थी। सोमवार को यहां संक्रमण दर 4.21 फीसदी थी। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड-19 के 385 नए मामले आए जिससे संक्रमितों की संख्या बढ़कर 11,56,904 हो गई। मंगलवार को सात लोगों के संक्रमण मुक्त होने के बाद उन्हें अस्पतालों से छुट्टी दी गई। राज्य में मंगलवार को एक मरीज की मृत्यु हुई। रायपुर से 69, दुर्ग से 53, राजनांदगांव से 38 और शेष मामले अन्य जिलों से आए हैं। छत्तीसगढ़ में अब तक 11,56,904 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है, जिनमें से 11,40,959 स्वस्थ हो चुके हैं। पश्चिम बंगाल में स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए पांचवें निगरानी सर्वे में पाया गया कि राज्य के नौ जिलों में कोविड-19 संक्रमण दर पिछले सप्ताह 10 प्रतिशत से अधिक थी। 7-8 जुलाई के बीच किए गए सर्वे से पता चला है कि कुछ क्षेत्रों में जांच संक्रमण दर (टीपीआर) भी 20 प्रतिशत को पार कर गई है। अधिकारी ने कहा कि इन निष्कर्षों ने विभाग को कम से कम 11 स्थानों को 'रेड जोन' के रूप में चिह्नित करने के लिए बाध्य किया। सिर्फ मुर्शिदाबाद एकमात्र जिला है जहां संक्रमण दर एक प्रतिशत से कम है। सर्वे में पता चला कि नंदीग्राम 'स्वास्थ्य जिले' में, टीपीआर 24.6 प्रतिशत था, इसके बाद उत्तर 24 परगना में 23.75 प्रतिशत और दार्जिलिंग में 19.10 प्रतिशत था। सर्वे में पाया गया कि उत्तर दिनाजपुर 16.25 फीसदी संक्रमण दर के साथ चौथे स्थान पर है।

कटान गाँव कटइलवा में बाढ़खंड की लूट खसोट

बरहज़। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कटान पीड़ित गाँव कटईलवा का किया दौरा । सपा के विजय रावत ने की जांच की मांग ।

गाँव और रामजानकी मार्ग को बचाने के लिए वर्षो से मांग उठती रही है । प्रत्येक वर्ष गाँव कटईलवा को बचाने के लिए योजनाओं का धन कार्यदायी सस्था मिलीभगत कर खपा देते है उक्त आरोप समाजवादी पार्टी के नेता विजय रावत ने लगाई, उन्होंने बताया, बनाया हुआ बंधा काफी कमजोर है महज प्लास्टिक की बोरी में वही का बालू भरकर रस्सी से बाध दिया गया है ।जिसको बोल्डर गिराकर सीमेंटेड कराना चाहिए था । नदी का जलस्तर बढ़ रहा है कुछ भी नही कहा जा सकता, कहि फिर बना बंधा नदी में न समा जाय । 60 करोड़ रुपये के काम में महज 6 करोड़ रुपये का भी कार्य नही दिख रहा है जो जांच का विषय है । समाजवादी नेता अनिल निषाद ने कहा कि विगत वर्षों से इस गाँव पर आए आफत को विभाग और कार्यदायी संस्थाए अवसर मान रही है जिसका वे लाभ उठा रही है इसी तरह बगल का गाँव कुरह परसिया नदी की कटान से जलमग्न हो गया । कपरवार से लेकर दर्जनों गावो की हजारो हेक्टेयर जमीन नदी में विलीन हो गयी सरकार ने किसानों को फूटी कौड़ी पैसा मुवावजा में नही दिया ।कुरह परसिया के लगभग हजारो लोग कटान से घरविहीन होकर पलायन कर गए जिनका कोई माई बाप नही है जो सरकार के लिए ही नही सभ्य मानवता के लिए भी शर्म की बात है ।दौरा करने वालो में प्रमुख रूप से विकास यादव अमित प्रधान सुधीर निषाद रोहित मद्धेशिया सुरेश राजभर विपिन सिंह बादल कुमार अजित कुमार आदि मौजूद रहे ।

उत्तर प्रदेश प्रयागराज हंण्डिया तहसील के राजस्व विभाग द्वारा गलत घरौनी आबादी पैमाइश से ग्रामीणो में काफी नाराजगी देखने को मिली

प्रयागराज। हंण्डिया के बटऊपुर किशुनीपुर रतिपुर के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र से जानकारी मे ममला प्रकाश में आया है कि हंण्डिया प्रयागराज उत्तर प्रदेश के अधिकतर गाँव मे घरौनी आबादी का लेखा जोखा लेखपाल एव उससे संबंधित कर्मचारियों द्वारा एक जगह पर बैठ कर बनाया गया और 100-200 रूपये की मांग की जा रही है जिसमें उदाहरण के लिए बटऊपुर, रतिपुर, किशुनीपुर समेत कई गांवों के निवासीयो ने विरोध व्यक्त करते हुए कहा हम असंतुष्ट है और इस तरीके से पैमाइश पर राजस्व उच्चअधिकारी गण एव उत्तर प्रदेश सरकार को ध्यान केंद्रित करना चाहिए जिससे भविष्य में घरौनी आबादी को एक दूसरे से विवाद उत्पन्न न हो और जमीनी स्तर पर उचित कार्रवाई करें ।

हंण्डिया प्रयागराज के ग्राम पंचायत किशुनीपुर बटऊपुर मे सरकारी तालाबों राजस्व लेखपाल द्वारा किया गया पैमाइश

आज प्रयागराज जनपद के हंण्डिया तहसील के ग्राम पंचायत किशुनीपुर बटऊपुर के सरकारी तालाबों का राजस्व लेखपाल सुप्रिम सिंह द्वारा किया गया पैमाइश जिसमें ग्राम प्रधानपति नीरज पाण्डेय, बीडीसी पति मुकेश मिश्रा, प्रेमचंद पाण्डेय,राहुल पाण्डेय श्याम समेत कई लोग उपस्थित रहे जिसमें बताया गया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा तालाबों का सुदरीकरण के योजनाओं को जल्द से जल्द तालाबों को सुरक्षित किया जाएँ

गुरुपूर्णिमा पर शिष्यों ने गुरु जी से लिया आशीर्वाद

बरहज देवरिया। अनन्त पीठ आश्रम के मंदिर में गुरुपूर्णिमा आस्था व श्रद्धा के साथ मनाया गया और गुरुपूर्णिमा के इस पवित्र पर्व पर श्रद्धालु अपने गुरु की पूजा करने के बाद ही अन्न ग्रहण करते हैं

बुधवार को गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर बरहज स्थित अनन्त पीठ आश्रम पर आश्रम के पीठाधीश्वर आञ्जनेय दास महाराज के द्वारा अपने गुरु की पूजा वैदिक मंत्रों से किया गया इस गुरु पूजन को ब्राह्मणों द्वारा विधि विधान से सम्पादित की गया पूजा पूर्ण होने के बाद गुरु आञ्जनेय दास के द्वारा भारी संख्या में आये शिष्यों को आशीर्वाद व प्रसाद वितरित कीया गया ।आञ्जनेय दास ने गुरु व शिष्य के बीच पवित्र सम्बन्धो के महत्व को बताया की यह त्यौहार आषाढ़ मास के पूर्णिमा को मनाया जाता है क्योंकि वेदव्यास जी का जन आषाढ़ मास पूर्णिमा के दिन महर्षि वेदव्यास जी का जन्म हुआ था जिससे गुरु पूर्णिमा को हम व्यास पूजा के नाम से भी जानते हैं गुरु पूर्णिमा के पूजा की परंपरा महर्षि वेदव्यास के जन्म से ही विख्यात है उन्होंने उदाहरण देते हुए एकलव्य को बताया की एक समय की बात है की एकलव्य को शिक्षा देने के लिए द्रोणाचार्य ने मना कर दिया था तो एकलव्य ने अपने गुरु द्रोणाचार्य की मूर्ति का स्थापना करके जंगल में साधना करता था और नित्य प्रतिदिन धनुष अभ्यास करता था लेकिन राष्ट के प्रति एकलव्य के विचार ठीक नहीं थे जिस पर गुरु ने उसे अंगूठा ही दान में मांग लिया और एकलव्य हंसते हंसते अंगूठा काटकर अपने गुरु को दान कर दिया।

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर आश्रम के पीठाधीश्वर आञ्जनेय दास के साथ विनय मिश्र, कृष्ण मुरारी तिवारी, विश्राम शुक्ल , झारखण्डेय पाण्डेय,परसुराम पाण्डेय, डॉ किरन पाठक, आरती पांडे, प्रेम शंकर पाठक, सुग्रीव पांडे, मंगल मणि त्रिपाठी, पियूष मिश्रा ओमप्रकाश पाण्डेय, बलभद्र त्रिपाठी, डॉ महंत कुशवाहा, ओमप्रकाश दुबे,डॉ अशोक,नवीन प्रकाश, सुशील कुमार पाण्डेय,अमित पाण्डेय, चंद्रप्रकाश शुक्ला, अवधेश पाल,प्रदीप शुक्ला, तेजबहादुर, मीरा गुप्ता, अनुपमा सिंह,अलका पाण्डेय, करुणा,सिधु यादव,शशिकला पटेल,आकांक्षा सिंह,ब्यूटी पाण्डेय,सीमा आर्या, सुमन कुमारी,संध्या के साथ क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अशोक स्तंभ विवाद पर बोले अभिनेता अनुपम खेर, 'शेर के दांत होंगे तो दिखाएगा ही'

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नए संसद भवन के राष्ट्रीय चिह्न अशोक स्तंभ का अनावरण किया, जिसे लेकर विपक्ष ने नाराजगी जताई। इस बीच सबसे पहले हैदराबाद के सांसद और ढ्ढस्ढ्ढरू चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने सवाल करते हुए इसे संवैधानिक मानदंडों का उल्लंघन बताया। ओवैसी ने कहा कि, सरकार के प्रमुख के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नए संसद भवन के ऊपर राष्ट्रीय प्रतीक का अनावरण नहीं करना चाहिए था। लेकिन इस बीच अभिनेता अनुपम खेर ने सभी को करारा जवाबि दिया। अनुपम खेर ने ट्वीट करते हुए लिखा, रे भाई! शेर के दांत होंगे तो दिखाएगा ही! आखरिकार स्वतंत्र भारत का शेर है। ज़रूरत पड़ी तो काट भी सकता है! जय हिंद! अभिनेता ने इस ट्वीट के साथ एक वीडियो को भी शेयर किया जिसमें राष्ट्रीय चिह्न अशोक स्तंभ दिख रहा है। दरअसल, इससे पहले कांग्रेस नेता अधीर रंजन ने ट्वीट कर ऐतराज जताया था कि नरेंद्र मोदी जी, कृपया शेर का चेहरा देखिए। यह महान सारनाथ की प्रतिमा को परिलक्षित कर रहा है या गिर के शेर का बिगड़ा हुआ स्वरूप है। कृपया इसे देखिए और जरूरत हो तो इसे दुरुस्त कीजिए।

वहीं कांग्रेस के मीडिया प्रभारी और राज्य सभा सदस्य जयराम रमेश ने भी कहा कि सारनाथ में अशोक के स्तंभ पर शेरों के चरित्र और प्रकृति को पूरी तरह से बदलना भारत के राष्ट्रीय प्रतीक का अपमान है। जिसके बाद अब अनुपम खेर ने ट्विट कर सरकार के इस राष्ट्रीय चिह्न अशोक स्तंभ का समर्थन किया।

पीएम मोदी गुजरात में वर्षा प्रभावित इलाकों का कर सकते हैं हवाई निरीक्षण

अहमदाबाद. (एजेंसी)

गुजरात में लगातार हो रही भारी से अतिभारी बारिश से कई जिलों में व्यापक तबाही हुई है. ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण कर सकते हैं. बारिश की वजह से राज्य में 69 नागरिकों की मौत हो चुकी हैं. बारिश के कारण गुजरात का जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है. वलसाड, नवसारी और छोटाउदेपुर जिलों में तो भारी बारिश के कारण जहां देखों वहां पानी ही पानी नजर आ रहा है. नदी-नाले समेत डैम के छलकने की वजह से कई जगह बाढ़ से हालात हैं. कई जगह सड़कें टूट गई हैं और पूरी की पूरी धुल गई हैं. ऐसी परिस्थितियों के बीच मंगलवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेलने छोटाउदेपुर, नवसरी समेत बारिश से प्रभावित जिलों का हवाई निरीक्षण किया है. अब जानकारी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी जल्द ही गुजरात के वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण कर सकते हैं. हवाई निरीक्षण के बाद पीएम मोदी स्थिति की समीक्षा करेंगे और उसके बाद केन्द्र सरकार की ओर से गुजरात को सहायता का ऐलान भी कर सकते हैं. बता दें कि गुजरात में भारी बारिश की स्थिति को लेकर पीएम मोदी ने बीते दिन गुजरात के मुखयमंत्री भूपेन्द्र पटेल के साथ टेलिफोनिक बातचीत कर हालात की जानकारी ली और केन्द्र सरकार की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया था. गौरतलब है कि पीएम मोदी का आगामी 15 जुलाई को एक दिवसीय गुजरात दौरा प्रस्तावित था. लेकिन बारिश की स्थिति को देखते हुए पीएम मोदी का यह दौरा स्थगित कर दिया गया है. अब जानकारी है कि पीएम मोदी जल्द ही वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण करेंगे.

पूर्व सीएम चुनाव से पहले बीजेपी नेतृत्व पर दबाव बना रही है

उदयपुर, (एजेंसी) ।

राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 से पहले प्रदेश बीजेपी में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे की नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मुलाकात से अकटलों को एक बार फिर अटकलों को हवा मिली है। दोनों नेताओं की मुलाकात करीब 50 मिनट तक चली। इस मुलाकात को लेकर अधिकृत रूप से कोई जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन बताया जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच राजस्थान की राजनीति को लेकर चर्चा हुई है। जानकार राजे की इस मुलाकात को अमित शाह को दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर देख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि राजस्थान भाजपा में मुख्यमंत्री चेहरे के लेकर अंदरूनी खींचतान चरम पर है। मंगलवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राजस्था के माउंट आबू में भाजपा के प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में चेहरा पीएम मोदी होंगे और कार्यकर्ता चुनावी ताकत। जेपी नड्डा ने कहा कि कोई नेता किसी पद पर है तो वह स्थाई नहीं है। जेपी नड्डा के बयान के सियासी मायने साफ है। भाजपा विधानसभा चुनाव 2023 वसुंधरा राजे के चेहरे पर नहीं लड़ेगी। भाजपा नेताओं में गुटबाजी चरम पर है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की नसीहत के बावजूद अंदरूनी खींचतान कम नहीं हो रही है। राजस्थान भाजपा में वसुंधरा राजे बड़ा चेहरा मानी जाती है। जानकारों का कहना है कि पार्टी वसुंधरा राजे के सीएम फेस नहीं बनाती है तो चुनाव में नुकसान उठाना पड़ सकता है। वसुंधरा राजे की समाज के सभी वर्गों में गहरी पैठ है। भाजपा के नेतृत्व में लड़े गए दो विधानसभा चुनावों में भाजपा को बंपर जीत मिली थी। ऐसे में पार्टी के लिए वसुंधरा राजे की नाराजगी भारी पड़ सकती है। ऐसा माना जा रहा है कि वसुंधरा राजे ने अमित शाह से स्पष्ट कह दिया है वह राजस्थान से बाहर राजनीति नहीं करना चाहती है। राजस्थान में रहकर ही राजनीति करेगी। मतलब साफ है वसुंधरा राजे सीएम फेस को लेकर झुकने के लिए तैयार नहीं है। जबकि पार्टी का कहना है कि विधानसभा चुनाव पीएम मोदी के चेहरे पर ही लड़ा जाएगा। भाजपा को जीत मिलने के बाद मुख्यमंत्री का चेहरा तय करेंगे। चर्चा है कि वसुंधरा राज इस बात के लिए राजी नहीं है। दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद साफ जाहिर हो गया है कि राजस्थान भाजपा में सीएम फेस को लेकर कोई भी धड़ा झुकने के लिए तैयार नहीं है। राजस्थान में चुनाव का समय नजदीक आते ही वसुंधरा राजे की सक्रियता से विरोधी गुट सतर्क हो गया है। इस बार वसुंधरा विरोधी धड़ा मजबूत दिखाई दे रहा है। इन दिनों राजे भी बेहद सक्रिय दिखाई दे रही है।जिलों का दौर कर अपने समर्थकों से मिल रही है। हाल ही में वसुंधरा राजे ने उदयपुर और जोधपुर को दौरा कर अपने समर्थकों से मुलाकात की थी। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे सिंधिया लंबे समय बाद राज्य में सक्रिय दिख रही हैं। विरोधी कैंप वसुंधरा राजे की सक्रियता को पचा नहीं पा रहा है। वसुंधरा राजे ने 23 से 25 नवंबर तक छह जलों में एक यात्रा निकाली। जिसे 'देवदर्शन यात्रा' का नाम दिया और इसे निजी यात्रा बताया था।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम में 50 एकड़ में बनाई जाएगी साइंस सिटी

गुरुग्राम । हरियाणा सरकार ने गुरुग्राम में एक साइंस सिटी बनाने का फैसला किया है, जिसे केंद्र सरकार की मदद से करीब 50 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल की अध्यक्षता में मंगलवार को चंडीगढ़ में हुई एक बैठक में साइंस सिटी स्थापित करने के लिए गुरुग्राम में उपयुक्त स्थान तलाशने पर चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने कहा कि साइंस सिटी की स्थापना के बाद राज्य और अन्य हिस्सों के छात्रों को वैज्ञानिक सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से सीखने का मौका मिलेगा। बयान में कौशल के हवाले से कहा गया कि इससे क्षेत्र के लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। उन्होंने कहा कि भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और विज्ञान की अन्य शाखाओं को कवर करने वाली विषयगत ब्रांच स्थापित की जाएंगी, जिससे स्कूलों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों को लाभ होगा। बयान में कहा गया है कि हरियाणा सरकार ने गुरुग्राम में एक साइंस सिटी स्थापित करने का फैसला किया है, जिसे केंद्र सरकार की मदद से लगभग 50 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा। अधिकारियों ने बैठक के दौरान बताया कि इस साइंस सिटी में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की 'स्पेस गैलरी' भी स्थापित की जाएगी जो अंतरिक्ष में उपग्रहों को प्रक्षेपित करने की जानकारी देगी। इसके अलावा इसरो द्वारा सिमुलेटर भी लगाए जाएंगे ताकि छात्र अंतरिक्ष में जाने का अनुभव कर सकें। आगे बताया गया कि साइंस सिटी में एक इनोवेशन हब भी विकसित किया जाएगा जो छात्रों को नए वैज्ञानिक विचारों पर काम करने का माहौल प्रदान करेगा। इस हब में छात्रों को मेंटर भी मिलेंगे जो उनका मार्गदर्शन करेंगे। बैठक में अपर मुख्य सचिव नगर एवं ग्राम नियोजन देवेंद्र सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव तकनीकी शिक्षा आनंद मोहन शरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अतिरिक्त मुख्य सचिव अशोक खेमका सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

गोवा के बाद गुजरात में कांग्रेस को टूट का डर चुनाव से पहले कई विधायक बदल सकते हैं पाला

नई दिल्ली । गोवा कांग्रेस में बगावत फिलहाल थम गई है। मगर, कांग्रेस की चुनौती अभी खत्म नहीं हुई है। पार्टी को डर है कि गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में उसके कई विधायक साथ छोड़ सकते हैं। इसलिए, पार्टी सभी विधायकों को एकजुट रखने की कोशिश में जुट गई है। गुजरात में कांग्रेस के वर्तमान में 64 विधायक हैं। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को 77 सीट मिली थी, पर पिछले दो साल में 14 विधायकों ने कांग्रेस का साथ छोड़ा है। निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवाणी के पार्टी में शामिल होने से यह आंकड़ा 64 पर पहुंचा है। पार्टी इन विधायकों को हर हाल में अपने साथ बरकरार रखना चाहती है। प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने दावा किया कि महाराष्ट्र और गोवा की तरह भाजपा गुजरात में भी कांग्रेस विधायकों से संपर्क कर रही है। भाजपा की कोशिश है कि चुनाव से पहले बड़े पैमाने पर कांग्रेस विधायकों को पार्टी में शामिल किया जाए, ताकि वह चुनाव में अपने पक्ष में माहौल बना सके। ऐसे में कांग्रेस अपने सभी विधायकों के साथ लगातार संपर्क में हैं। कांग्रेस के एक अन्य नेता ने कहा कि चुनाव में पार्टी के सभी मौजूदा विधायकों का टिकट लगभग तय है। हालांकि, कुछ विधायकों ने सीट बदलने का आग्रह किया है, जिस पर पार्टी विचार करेगी। इस बीच, कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के लिए कुछ दिन पहले सात कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए थे। इनमें वडगाम से विधायक एवं दलित नेता जिग्नेश मेवाणी भी शामिल हैं। पार्टी ने ललित कागथारा, रुत्विक मकवाना, अंबरीश जे डेर, हिम्मत सिंह पटेल, कादिर पीरजादा और इंद्रविजय सिंह गोहिल को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कर जातीय समीकरण बनाने की कोशिश भी की है।

नीतीश और मोदी ने की एक दूसरे की प्रशंसा की

पटना । मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पटना में विधानसभा परिसर में अपने भाषण के दौरान नीतीश की तारीफ करना नहीं भूले। उधर नीतीश ने भी मोदी की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीतीश कुमार द्वारा अपने पहले कार्यकाल में पंचायतीराज में महिलाओं के लिए पचास प्रतिशत आरक्षण को महत्वपूर्ण कदम बताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार विधानसभा परिसर में शताब्दी स्मृति स्तंभ का अनावरण किया। साथ ही विधानसभा संग्रहालय और विधानसभा अतिथिशाला का भी शिलान्यास किया। इसके बाद अपने संबोधन में पीएम मोदी ने बिहार विधानसभा द्वारा पारित कुछ ऐतिहासिक कानूनों का उल्लेख करते हुए सबसे पहले सत्येन प्रसाद सिन्हा का जिक्र किया, जिन्होंने स्वदेशी के संबंध में प्रस्ताव पारित किये। उसके बाद पीएम मोदी ने जमींदारी उन्मूलन कानून का जिक्र किया। पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा देश में पहली बार पंचायतीराज में महिलाओं के लिए पचास प्रतिशत आरक्षण लागू करने के कानून का जिक्र ये कहते हुए किया कि इसे देश में कई राज्यों ने अपनाया। मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत में ये भी कहा कि जो बिहार से स्नेह करता हैं उसको ये कई गुना कर लौटाता है। नीतीश कुमार ने भी अपने भाषण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तारीफ के पुल बांधे। उन्होंने कहा कि पहली बार बिहार विधानसभा में किसी प्रधानमंत्री का आगमन हुआ है, सबको यह पल याद रहेगा।

देश में दवाओं की कमी, इसलिए बीमार न पड़ें, श्रीलंका के डॉक्टरों की लोगों को सलाह

कोलंबो। श्रीलंका में डॉक्टर लोगों को सलाह दे रहे हैं कि देश में आर्थिक संकट के चलते दवाओं और संबंधित अन्य महत्वपूर्ण आपूर्ति की कमी है, इसलिए वे बीमार होने से बचें तथा दुर्घटनाओं के शिकार न हों। दक्षिण एशियाई द्वीपीय राष्ट्र के पास ईंधन और खाद्य सामग्री जैसी बुनियादी चीजों का आयात करने के लिए पैसे की कमी है और दवाएं भी समाप्त हो रही हैं। कुछ डॉक्टरों ने आपूर्ति के लिए दान या इन चीजों को खरीदने के लिए धन प्राप्त करने की कोशिश के तहत सोशल मीडिया का रुख किया है। वे विदेशों में रह रहे श्रीलंकाई लोगों से भी मदद की गुहार लगा रहे हैं। देश में जारी आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता के समाप्त होने का अभी तक कोई संकेत नहीं है। पंद्रह वर्षीय हसीनी वसाना को वह दवा मिलनी मुश्किल हो रही है जो उसे प्रतिरोपित किडनी की रक्षा के लिए चाहिए। नौ महीने पहले उसका किडनी प्रतिरोपण हुआ था। उसे पूरे जीवन के लिए प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करने वाली दवा चाहिए जिससे कि उसका शरीर प्रतिरोपित अंग को अस्वीकार न कर पाए। हसीनी की बड़ी बहन इशारा थिलिनी ने कहा, हमें (अस्पताल द्वारा) कहा जा रहा है कि उन्हें नहीं पता कि उन्हें संबंधित दवा दोबारा कब मिलेगी। कैंसर अस्पताल भी निर्बाध उपचार सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दवाओं का भंडार बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। श्रीलंका मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष समथ धर्मरत्ने ने कहा, बीमार न हों, घायल न हों, ऐसा कुछ भी न करें जिससे आपको बेवजह इलाज के लिए अस्पताल जाना पड़े। उन्होंने कहा, मैं हालात को इस तरह बयां कर सकता हूं, यह एक गंभीर स्थिति है। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में एक किडनी अस्पताल के प्रमुख डॉ. चार्ल्स नुगावेला ने कहा कि उनका अस्पताल दानदाताओं की उदारता की बदौलत चल रहा है, लेकिन उन्होंने केवल उन रोगियों को दवा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है जिनकी बीमारी उस अवस्था में पहुंच गई है जहां उन्हें डायलिसिस की आवश्यकता है।

अफ्रीकी मूल के कोलंबियाई नेता होंगे अमेरिका में देश के पहले अश्वेत राजदूत

वाशिंगटन।अफ्रीकी मूल के कोलंबियाई नेता लुइस गिल्बर्टो मुरिलो को अमेरिका में कोलंबिया का राजदूत नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है। वह अमेरिका में कोलंबिया के पहले अश्वेत राजदूत होंगे। राष्ट्रपति के तौर पर चुने गए गुस्तावो पेट्रो ने मंगलवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि

जब वह अगले महीने राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे तब मुरिलो कोलंबिया के सबसे महत्वपूर्ण राजनयिक पद पर नियुक्त होंगे। मुरिलो (55) ने रूस में पढ़ाई की थी और एक अर्धसैनिक समूह द्वारा अपहरण किये जाने के बाद उन्होंने अपना देश छोड़ दिया था। उन्होंने वाशिंगटन के सत्ता प्रतिष्ठान में लंबे समय से अपनी पहचान बनाई है। मुरिलो के पास अमेरिका की नागरिकता भी है जो राजनयिक बनने के बाद उन्हें छोड़नी पड़ेगी। उनका जन्म कोलंबिया के प्रशांत महासागर के तट पर स्थित चोको प्रांत में हुआ था जहां अधिकतर अफ्रीकी-कोलंबियाई लोग रहते हैं। अत्यंत गरीब परिवार में जन्मे मुरिलो ने छात्रवृत्ति पर रूस में पढ़ाई की और एक रूसी महिला से शादी की। वह अपने गृह प्रांत के दो बार गवर्नर रहे और कोलंबिया के पर्यावरण मंत्री भी थे। मुरिलो को 2000 में अर्धसैनिक समूहों ने गिरफ्तार कर लिया था और बाद में वह अपने परिवार के साथ वाशिंगटन चले गए थे। उन्होंने ट्वीट किया, फ्रअमेरिका के साथ द्विपक्षीय संबंधों को आगे ले जाना बड़ी जिम्मेदारी का काम है। हम शांति के मार्ग को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करेंगे और दोनों देशों की समृद्धि के लिए समन्वित प्रयास करेंगे।

ताइवान के उपराष्ट्रपति ने दी शिंजो आबे को श्रद्धांजलि, बौखलाए चीन ने आपत्ति दर्ज करते हुए कहा- जरूरत पड़ी तो बल के जोर पर ताइवान को अपने साथ जोड़ेंगे

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे को अंतिम विदाई देने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें ताइवान के उप राष्ट्रपति की मौजूदगी को लेकर चीन ने आधिकारिक रूप से अपना विरोध दर्ज करवाया। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि जापान में उसके दूतावास ने वहां की सरकार के साथ ताइवान के उपराष्ट्रपति विलियम लाई के पूर्व जापानी प्रधान मंत्री शिंजो आबे के अंतिम संस्कार में शामिल होने के बारे में अपना विरोध दर्ज करवाया है। बता दें कि ताइवान के उप राष्ट्रपति ला चिंग-ते ने आबे के तोक्यो स्थित आवास पर उन्हें सोमवार को श्रद्धांजलि दी थी। आबे, ताइवान के एक बड़े समर्थक थे। ताइवान के इस कदम से चीन बुरी तरह बौखला गया है। ताइवान के स्वतंत्र रूप से राजनीतिक उपस्थिति दर्ज कराने को लेकर चीन ने आपत्ति दर्ज करने के साथ ही दावा किया कि कि अगर जरूरत पड़ी तो वह बल के जोर पर ताइवान को फिर अपने साथ जोड़ेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि ताइवान के अधिकारियों ने राजनीतिक उद्देश्य से इस अवसर का फायदा उठाने की कोशिश की और चीन ने जापान के समक्ष इसकी कड़ी शिकायत दर्ज कराई है। वांग ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' यह एक राजनीतिक योजना है, जो कभी सफल नहीं हो सकती। बता दें किआबे, ताइवान के एक बड़े समर्थक थे। दूसरी तरफ चीन अब तक ताइवान को अपना क्षेत्र बताते हुए उस पर दावा करता है। चीन, ताइवान को अपना क्षेत्र बताते हुए उस पर दावा करता है। वह लोकतांत्रिक रूप से चुनी गयी ताइवान की सरकार को मान्यता देने से इनकार करता है। ताइवान और चीन 1949 के गृह युद्ध में अलग हो गए थे।

चीन में सूरज उगल रहा आग, 68 शहरों में हीटवेव की चेतावनी -बचाव के लिए अंडरग्राउंड शेल?टर्स का सहारा ले रहे लोग

बीजिंग । कई देशों में इन दिनों भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात है वहीं चीन के कई शहर इन दिनों भीषण गर्मी से झुलस रहे हैं। भयंकर गर्मी से बचने के लिए लोग अंडरग्राउंड शेल्टर्स में शरण लेने लगे है। सूरज की आग के आगे सड़कें तक उखड़ रही हैं। मौसम विभाग ने चीन के 68 शहरों के लिए रेड अलर्ट जारी किया हुआ है। इसमें शंघाई, नानजिंग भी शामिल हैं। रेड अलर्ट एक थ्री टायर हीटवेव वार्निंग है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान दौरान इन शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को भी पार कर सकता है।

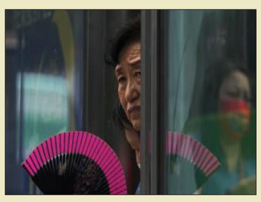

आपको बता दें कि शंघाई पहले से ही कोरोना महामारी की मार झेल रहा है। यहां पर प्रशासन ने पहले कोरोना के चलते कई तरह के प्रतिबंध लगाए हुए थे। अब यहां के करीब ढाई करोड़ लोगों को हीटवेव की मार सहने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। इसके साथ ही प्रशासन ने लोगों को जरूरी एहतियात बरतने को भी कहा है। 1873 में शंघाई का तापमान 15 दिनों के लिए 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया था। सोशल मीडिया पर बढ़ती गर्मी और लोगों की परेशानियों को लेकर कई तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं।

यहां के वाइल्डलाइफ पार्क में जानवरों को ठंडा रखने के लिए हर दिन आठ टन बर्फ का इस्तेमाल किया जा रहा है। शंघाई के एक व्यक्ति झू डेरेन का कहना है कि इस बार इतनी भयंकर गर्मी समय से पहले ही पड़ रही है। झू का बेटा गर्मी से बचने के लिए वाटर फाउंटेन का सहारा लेने को मजबूर है। झू ने बताया कि जुलाई में ही उसका गर्मी से बुरा हाल हो रहा है। अभी तापमान का अधिकतम स्?तर पर जाना बाकी है। झू के मुताबिक घर से घुसते ही एसी का आन करना और बाहर निकलने पर संस्क्रीन लगाना बेहद जरूरी हो गया है।

चीन के विभिन्न शहरों में जहां इस वर्ष भीषण गर्मी का प्रकोप चल रहा है, वहीं यहां के लोगों ने इस वर्ष कई जगहों पार बाढ़ को भी झेला है। देश के मौसम विभाग ने इसको क्लाइमेट चेंज का नाम देते हुए लोगों को कई चेतावनियां भी जारी की है। इसमें जुलाई के मध्य में तापमान का बेतहाशा बढ़ना भी शामिल है। सरकारी समाचारों में दिखाया गया है कि दक्षिण जियांगशी प्रांत में गर्मी की वजह से सड़क करीब 15 सेंटीमीटर तक उखड़ गई है। नानजिंग में लोगों ने गर्मी से बचने के लिए शेल्टर्स में शरण ले रखी है। कभी ये शेल्टर्स युद्ध में बमबारी से बचने के लिए बनाए गए थे। हालांकि समय के साथ लोगों ने अब इसको और सुविधाजनक बना लिया है। इनमें सभी तरह की सुख सुविधाओं को रखा गया है।

चीन के सिहुन प्रांत से एक 3 बी राकेट छोड़ा गया। इसके लिए टियानलियन सेटेलाईट भेजा गया है।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति राजपक्षे को देश छोड़ने में मदद वाली खबरों का भारत ने किया खंडन

कोलंबो। भारत ने बुधवार को मीडिया में आयी उन खबरों को ''निराधार और कयास आधारित'' बताया कि उसने श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के देश छोड़कर मालदीव जाने में मदद की है। राजपक्षे देश की अर्थव्यवस्था को न संभाल पाने के कारण उनके और उनके परिवार के खिलाफ बढ़ते जन आक्रोश के बीच बुधवार को सेना के एक विमान से देश छोड़कर मालदीव पहुंच गए हैं। श्रीलंका के 73 वर्षीय नेता अपनी पत्नी और दो सुरक्षा अधिकारियों के साथ सेना के एक विमान में देश छोड़कर चले गए हैं। श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग ने ट्वीट किया, ''उच्चायोग मीडिया में आयी उन खबरों को 'निराधार तथा महज अटकल' के तौर पर खारिज करता है कि भारत ने गोटबाया राजपक्षे को श्रीलंका से बाहर जाने में मदद की।'' उसने कहा, ''यह दोहराया जाता है कि भारत लोकतांत्रिक माध्यमों और मूल्यों, स्थापित लोकतांत्रिक संस्थानों और संवैधानिक रूपरेखा के जरिए समृद्धि एवं प्रगति की आकांक्षाओं को पूरा करने में श्रीलंका के लोगों का सहयोग करता रहेगा।''

अमेरिका के ड्रोन हमले में ढेर हो गया आईएसआईएस सीरिया का प्रमुख

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

दमिश्क (ईएमएस)। अमेरिका के निशाने पर दुनियाभर आतंकी लगातार बने है अब सीरिया में इस्लामिक स्टेट आतंकवादी समूह का प्रमुख अमेरिकी ड्रोन हमले में मारा गया। मारे गए आतंकवादी की पहचान माहेर अल-अगल के तौर पर हुई है। माहेर अल-अगल सीरिया में इस्लामिक स्टेट का प्रमुख था। पेंटागन सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल डेव ईस्टबर्न ने बताया कि हमले के समय माहेर अल अगल अपने एक साथी के साथ मोटरसाइकिल पर सवार था। यह हमला सीरिया में जिंदयारिस के पास किया गया, जिसमें माहेर मारा गया। जबकि उसका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। यूएस आर्मी सेंट्रल कमांड सेंटकॉम के एक प्रवक्ता के हवाले से पता चला कि माहेर अल-अगल आईएसआईएस के शीर्ष चार नेताओं में से एक था।

अमेरिकी सेना के कर्नल जो बुकिनो ने कहा कि इस हमले से आईएसआईएस के हमला करने की क्षमता कमजोर पड़ेगी। इतना ही नहीं, यह आतंकी संगठन अपने मंसूबो को पूरा करने में सफल नहीं हो सकेगा। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने पुष्टि करते हुए कहा कि अगल अमेरिकी ड्रोन हमले में मारा गया है। सीरियन सिविल डिफेंस फोर्स ने कहा कि अलेप्पो के बाहर एक मोटरसाइकिल को निशाना बनाकर किए गए हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया, लेकिन मारे गए लोगों की पहचान नहीं की।

अगल के बारे में लोगों के पास बहुत ही कम जानकारी उपलब्ध है। हालांकि, सीरिया में उसे इस्लामिक स्टेट के लेवेंट प्रांत का गवर्नर बताया जाता है। यह हमला पांच महीने पहले सीरिया के अतमे शहर में किए गए हमले के पांच महीने बाद अंजाम दिया गया है। उस हमले में इस्लामिक स्टेट के नेता अबू इब्राहिम अल-कुरशी की मौत हुई थी। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि कुरैशी की मौत तब हुई जब उसने पकड़े जाने से बचने के लिए खुद को बम विस्फोट से उड़ा लिया था। 2019 में अमेरिका ने सीरिया के इदबिल में इस्लामिक स्टेट के प्रमुख अबू बक्र अल-बगदादी को मार गिराया था। उसने भी अमेरिकी सेना की कार्रवाई के दौरान पकड़े जाने से बचने के लिए खुद को उड़ा लिया था। बगदादी का जन्म 1971 में इराक के सामरा में हुआ था। बगदादी पीएचडी डिग्री होल्डर था। उसने 2003 में इराक में अमेरिकी फौज के खिलाफ बागी गुटों की तरफ से जंग भी लड़ी थी। इस दौरान उसे पकड़ा भी गया था, जिसके बाद उसे 2005 से 2009 तक दक्षिणी इराक में बने अमेरिका के कैंप बुका में कैद करके रखा गया था। जेल से छूटने के बाद उसने इराक और सीरिया में इस्लामिक स्टेट की स्थापना की।

कोरोना के सब-वेरिएंट से कांपा ड्रैगन, 9 फीसदी टूटा चीन का बाजार, लॉकडाउन की आशंका

बीजिंग (एजेंसी)।

कोरोना के सब-वेरिएंट से ड्रैगन बुरी तरह दहशत में है दरअसल, चीन में कोविड का एक नया सब-वेरिएंट बड़े स्तर पर फैल रहा है। हालात ऐसे हैं कि एक बार फिर से चीन में लॉकडाउन लग सकता है। भविष्य के लिए बिगड़ रहे हालातों को देखते हुए चीन का शेयर बाजार भी भयभीत है। यही वजह है कि 28 जून के बाद से हांग सेंग चायना इंटरप्राइज इंडैक्स तकरीबन 9 फीसदी गिर चुका है। एक खबर के अनुसार, चीन के फाइनेंशियल मार्केट्स इकॉनमी में सुस्ती के संकेत दे रहे हैं। यदि कोरोना संक्रमण को बढ़ने देने से रोकना है तो लॉकडाउन लगाया जा सकता है। यदि लॉकडाउन हुआ तो आर्थिक गतिविधियों पर ब्रेक लगेगा और शेयर बाजार और ज्यादा गिर सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि चीन में कोरोना के सब-वेरिएंट का डर व्याप्त है। यदि इसकी वजह से लॉकडाउन हुआ तो फैक्ट्रियों में उत्पादन ठप हो जाएगा। लोग खर्च नहीं कर पाएंगे। कंस्ट्रक्शन से जुड़े काम रुक जाएंगे और परिवहन भी ठप हो जाएगा। जानकार बताते हैं कि हाल ही में क्रूड ऑयल के दामों में जो गिरावट आई है। उसकी वजह चीन में कुछ जगहों पर लॉकडाउन का लगना है। रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को ऑफिशियल डेटा में दूसरी तिमाही में चीन की इकॉनमिक ग्रोथ सिर्फ 1।2 फीसदी रहने की उम्मीद है। इकॉनमी से जुड़े इंडिकेटर्स गिरावट शुरू होने का संकेत दे चुके हैं। उधर, चीन के केंद्रीय बैंक ने लिक्विडिटी बढ़ाने वाले उपायों को वापस लेना शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि इससे इस साल के शेष समय में वित्तीय स्थितियों पर दबाव बन सकता है।सेक्सो बैंक में इक्विटी स्ट्रैटेजी के हेड पीटर गार्नरी ने कहा, 'इनवेस्टर्स की सबसे बड़ी चिंता आर्थिक गतिविधियां फिर से ठप होने को लेकर हैं। बड़े पैमाने पर टेस्टिंग और वेट रिबेट्स का काफी असर लोकल गवर्नमेंट के बजट पर पड़ रहा है। इससे इकॉनमी को सहारा देने की उनकी क्षमता घट रही है।' चीन की सरकार की उम्मीदें इस साल की दूसरी छमाही पर टिकी हैं।

शिंजो आबे के मर्डर के पीछे जुड़े हैं उनके नाना के तार, हत्यारे ने किया चौंकाने वाला खुलासा!

टोयो (एजेंसी)।

जापान में पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के मर्डर को लेकर हत्यारे ने जो खुलासा किया वह काफी चौंकाने वाला है। हत्या पर यहां के यूनिफिकेशन चर्च की तरफ से हैरानी जताई गई है। चर्च उन रिपोर्ट्स को पढ़कर हैरान है जिसमें हत्यारे तेत्सुया यामागामी ने उसके खिलाफ नाराजगी की बात कही है। चर्च का कहना है कि पूर्व पीएम आबे की हत्या और हमारे संगठन के लिए नाराजगी के बीच दूर-दूर का रिश्ता नहीं है। यूनिफिकेशन और विश्व शांति फैमिली फेडरेशन के जापान ऑफिस के चेयरमैन तोमीहिरो तांका की तरफ से ये बयान दिया गया है। उनका कहना है कि चर्च भी इस बात को समझने की कोशिशें कर रहा है कि ये सब क्यों हुआ और पुलिस के साथ पूरी तरह से सहयोग किया जाएगा ताकि हत्या का मकसद पता चल सके। चर्च की तरफ से ये टिप्पणी उस समय की गई है जब जापान के सरकारी ब्रॉडकास्टर ने कहा था कि 41 साल के यामागामी ने पूर्व पीएम आबे को इसलिए मारा क्योंकि उसे लगता था कि उनके नाना, जो देश के एक लोकप्रिय नेता थे, उन्होंने चर्च के विस्तार में मदद की थी। यामागामी इस चर्च से खासा नाराज था। आबे के नाना नोबुसुके किशी देश के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। यामागामी ने जांचकर्ताओं को पूछताछ में बताया कि उसे लगता था कि किशी की वजह से इस चर्च का विस्तार हुआ और इसलिए उसने उनके नाती पूर्व पीएम आबे की हत्या के बारे में सोचा।

ब्रिटेन: प्रधानमंत्री पद की दौड़ में भारतीय मूल के सुनक और ब्रेवरमैन 8 दावेदारों में शामिल, 5 सितंबर को होगा चुनाव

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन का अगला प्रधानमंत्री चुनने के लिए मंगलवार शाम को नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया समाप्त होने पर शुरुआती छंटनी के बाद भारतीय मूल के दो सांसदों-पूर्व वित्त मंत्री ऋषि सुनक और अटॉर्नी जनरल सुएला ब्रेवरमैन ने आठ दावेदारों में अपनी जगह बना ली। ब्रिटेन का नया प्रधानमंत्री सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी के नेता के रूप में निवर्तमान प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन का स्थान लेगा। सुनक और ब्रेवरमैन के अलावा इस सूची में विदेश मंत्री लिज ट्रस, नए वित्त मंत्री नाधिम जहावी, वाणिज्य मंत्री पेनी मोर्डेंट, पूर्व कैबिनेट मंत्री केमी बादेनोक, जेरेमी हंट और सांसद टॉम तुगेंदत शामिल हैं।

सुनक दौड़ में आगे बने हुए हैं और ऐसा बताया जा रहा है कि उनके पास सर्वाधिक सांसदों का समर्थन है। 42 वर्षीय सुनक ने अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए कहा, ''मैं सकारात्मक प्रचार अभियान चला रहा हूं जो इस बात पर केंद्रित है कि मेरे नेतृत्व से पार्टी और देश को क्या लाभ हो सकता है।'' गोवा मूल की सुएला ब्रेवरमैन अभी ब्रिटिश कैबिनेट में अटॉर्नी जनरल हैं और 2015 से सांसद है। इस सूची में जगह बनाने के लिए कम से कम 20 सांसदों के समर्थन की आवश्यकता थी। शुरुआती छंटनी के बाद बचे आठ उम्मीदवारों के बीच अब बुधवार को पहले दौर के मतदान में मुकाबला होगा और केवल वे ही दूसरे दौर में जा सकेंगे, जिनके पास कम से कम 30 सांसदों का समर्थन होगा।

नामांकन प्रक्रिया बंद होने से कुछ ही समय पहले पाकिस्तानी मूल के दो उम्मीदवारों-पूर्व स्वास्थ्य मंत्री साजिद जाविद और विदेश कार्यालय के मंत्री रहमान चिश्ती ने अपने नाम वापस ले लिए, क्योंकि वे 20 सांसदों का समर्थन हासिल नहीं कर पाए। ब्रिटेन के नये प्रधानमंत्री का चुनाव पांच सितंबर को किया जाएगा। कंजर्वेटिव पार्टी के सांसदों द्वारा मतदान का पहला चरण बुधवार को होना है। बृहस्पतिवार को दूसरे चरण के मतदान के बाद चरणबद्ध तरीके से अंतिम दो उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा।

राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे देश छोड़कर भागने के बाद श्रीलंका में लगा आपातकाल, दंगाइयों ने खोया आपा

कोलंबो। (एजेंसी)।

राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के मालदीव भाग जाने के बाद श्रीलंका ने आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है क्योंकि प्रदर्शनकारियों ने देश की सड़कों पर कब्जा कर लिया है। श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने देश के पश्चिमी प्रांत में कर्फ्यू का आदेश दिया है। पुलिस पीएम रानिल विक्रमसिंघे के घर के बाहर लाठीचार्ज कर रही है। उन्होंने पीएम आवास की दीवारों को नापने वाले प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले भी दागे। प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने दंगाइयों की गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। सुरक्षा बलों ने कोलंबो में पीएम आवास के बाहर हवाई गश्त शुरू कर दी है। पीएम अभी भी अपने घर सह कार्यालय में छिपे हुए हैं।

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के देश छोड़कर भाग जाने से जनता भड़क गयी है और बुधवार सुबह हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी श्रीलंका की संसद में घुस गये। इससे पहले जब यह लोग संसद की ओर बढ़ रहे थे तो पुलिस और सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। इस दौरान सुरक्षा बलों और जनता के बीच जबरदस्त भिड़ंत भी देखने को मिली। लोगों ने सेना की गाड़ी पर भी हमला कर दिया और उग्र भीड़ तमाम बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ गयी। हम आपको बता दें कि श्रीलंका के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री आवास पर जनता पहले ही कब्जा कर चुकी है।

इस बीच, खबर है कि राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे अपने इस्तीफे का ऐलान करने के साथ ही सेना के एक विमान से देश छोड़कर मालदीव पहुंच गए हैं। श्रीलंका की वायु सेना ने एक संक्षिप्त बयान में बताया कि 73 वर्षीय नेता अपनी पत्नी और दो सुरक्षा अधिकारियों के साथ सेना के एक विमान से देश छोड़कर चले गए हैं। बयान में कहा गया है, ''सरकार के अनुरोध पर और संविधान के तहत राष्ट्रपति को मिली शक्तियों के अनुसार, रक्षा मंत्रालय की पूर्ण स्वीकृति के साथ राष्ट्रपति, उनकी पत्नी और दो सुरक्षा अधिकारियों को 13 जुलाई को कातुनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मालदीव रवाना होने के लिए श्रीलंकाई वायु सेना का विमान उपलब्ध कराया गया।'' प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी राष्ट्रपति के देश छोड़ने की पुष्टि की है।

ऐसा बताया जा रहा है कि राजपक्षे नयी सरकार द्वारा गिरफ्तारी की आशंका से बचने के लिए इस्तीफा देने से पहले विदेश जाना चाहते थे। 'बीबीसी' की एक खबर में कहा गया है कि वह स्थानीय समयानुसार देर रात करीब तीन बजे मालदीव की राजधानी माले पहुंचे। सूत्रों ने

मालदीव के अधिकारियों के हवाले से बताया कि गत रात वेलाना हवाई अड्डे पर मालदीव सरकार के प्रतिनिधियों ने राजपक्षे की अगवानी की। 'डेली मिरर' ऑनलाइन की एक खबर के मुताबिक, राजपक्षे मालदीव से किसी अन्य देश जा सकते हैं, जिसके बारे में अभी जानकारी नहीं है।

सुविचार — परमात्मा के प्रत्येक रूप के अनुरूप अपना रूप बना लो। - ऋग्वेद

संपादकीय

आबादी की मुनादी

कहना कठिन है कि संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में अगले साल भारत में दुनिया की सबसे बड़ी आबादी होने का आकलन खुशखबरी है या चिंता की बात। देश में दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी होना सौभाग्य है, मगर अगर नीति-नियंता हर हाथ को काम न दे पायें तो यह गंभीर चुनौती है। कोरोना संकट के बाद बढ़ी बेतहाशा बेरोजगारी व महंगाई चिंता का सबब है। जब हम कहते हैं कि भारत आबादी के मामले में चीन को पछाड़ देगा तो हमें उसके क्षेत्रफल, उपलब्ध संसाधन, रोजगार की स्थिति तथा नागरिकों के जीवन में निर्धारित अनुशासन का भी मूल्यांकन करना चाहिए। हमें इस बात को लेकर चिंतित होना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र की जारी हालिया रिपोर्ट में वर्ष 2023 में भारत के आबादी में नंबर एक होने की बात कही जा रही है, जबकि पूर्व में यह आकलन था कि यह स्थिति 2027 में आयेगी। यानी चार साल पहले ही उस स्तर पर आबादी पहुंच गई? जो बताता है कि हम जनसंख्या नियोजन को लेकर उदार नीति अपना रहे हैं और परिवार नियोजन के प्रयास मन लगाकर नहीं हुए हैं। यह विडंबना है कि कुछ वर्गों की तरफ से राजनीतिक लक्ष्यों हेतु तथा धार्मिक वर्जनाओं की दुहाई देकर जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रयासों को पलीता लगाया जा रहा है। यह नहीं सोचा जा रहा है कि जहां देश के पास विश्व का महज ढाई फीसदी से कम भू-भाग है, वहीं करीब 18 फीसदी के लगभग जनसंख्या का बोझ होगा। तो ऐसे में हर हाथ को काम और हर पेट को रोटी देना संभव हो पाएगा? यह पूरी दुनिया के लिये भी चुनौती है कि इस साल के अंतिम महीनों में विश्व की आबादी आठ अरब पार कर जायेगी। यानी पिछले एक दशक में एक अरब आबादी बढ़ चुकी है। वहीं चिंता की बात यह है कि आने वाले दो दशकों में पूरी दुनिया की आबादी में दो अरब लोग और जुड़ जायेंगे। यह विडंबना ही है कि गरीब व विकासशील मुल्कों में ही ज्यादा आबादी है। एशिया में पूरी दुनिया की साठ फीसदी के करीब आबादी रहती है जो मानव संसाधनों के विकास पर होने वाले खर्च की हकीकत बताता है। वहीं दुनिया के संपन्न देशों में जनसंख्या नियोजन व स्थिरीकरण के लक्ष्य हासिल किये जा चुके हैं। बहरहाल, भारत जैसे देश में दुनिया की सर्वाधिक आबादी का होना आने वाले कल की गंभीर चुनौतियों की ओर इशारा है। विचारक माल्थस ने चेताया था कि आने वाले समय में दुनिया में गंभीर खाद्यान्न संकट पैदा होगा क्योंकि जनसंख्या बीज गणितीय अनुपात से बढ़ती है और खाद्यान्न अंकगणितीय अनुपात से। जिससे खाने वाले मुंह व अनाज की उपलब्धता में बड़ा अंतर रह जाता है। माल्थस तो यहां तक टिप्पणी करता है कि अनियंत्रित जनसंख्या को नियंत्रण में लाने के लिये प्रकृति कदम उठाती है। बहरहाल, हमें जनसंख्या स्थिरीकरण व परिवार नियोजन की तरफ कदम बढ़ाने होंगे। जैसा कि चीन ने 1979 में संतान नीति को कड़ाई से लागू किया। हालांकि, कालांतर चीन के उत्पादन केंद्र बनने व रोजगार के अवसरों में अप्रत्याशित वृद्धि के बाद सख्त नीति में ढील देने पड़ी। लेकिन चीन ने अपने लक्ष्य को हासिल कर लिया है। इसके बावजूद चीन में आबादी को लेकर संस्कृति व सोच के स्तर पर बदलाव आ चुका है। जबकि चीन का क्षेत्रफल, संसाधन व रोजगार भारत के मुकाबले काफी ज्यादा है। फिर साम्यवादी व्यवस्था का सख्त अनुशासन भी चीन की अतिरिक्त ताकत है। भारत को इस चुनौती के मुकाबले के लिये मानव संसाधनों व सेहत सेवाओं के संवर्धन पर ध्यान देना होगा। आधुनिक तकनीक के बजाय श्रम प्रधान उद्योग तथा ग्रामीण विकास की संस्कृति पर बल देना होगा। पहले ही जनसंख्या के बोझ से चरमराती शहरी सेवाओं को दुरुस्त रखने के लिये जरूरी है कि उद्योग-धंधों का विकेंद्रीयकरण करके उन्हें ग्रामीण इलाकों में केंद्रित किया जाये।

आज के कार्टुन

भारतीय संस्कृति

श्रीराम शर्मा आचार्य

भारतीय संस्कृति सबके लिए सभी भांति विकास का अवसर देती है। यह अति उदार संस्कृति है। विश्व में अन्य कोई धर्म संस्कृति में ऐसा प्रावधान नहीं है। उनमें एक ही इष्टदेव और एक ही तरह के नियम को मानने की परंपरा है। इसका उल्लंघन कोई नहीं कर सकता। करता है तो दंडनीय होगा। एक उद्यान में कई तरह के पौधे और फूल उगते हैं। इस भिन्नता से बगीचे की शोभा बढ़ती है। यही बात विचार उद्यान के संदर्भ में स्वीकार की जा सकती है। इस दृष्टिकोण के कारण नास्तिकवादी लोगों के लिए भी भारतीय संस्कृति का अंग बने रहने की छूट है, जबकि उनके लिए धर्मो के द्वार बंद हैं। भारतीय संस्कृति की दूसरी विशेषता है। कर्मफल की मान्यता। पुनर्जन्म के सिद्धांत में जीवन को अवांछनीय माना गया है और मरण की उपमा वस्त्र परिवर्तन से की गई है। मनुष्य की चतुरता अद्भुत है। वह सामाजिक विरोध और राजदंड से बचने के अनेक हथकंडे अपनाकर कुकर्मरत रह सकता है। ऐसी दशा में किसी सर्वज्ञ सर्व समर्थ सत्ता की कर्मफल व्यवस्था का अंकुश ही उसे सदाचरण की मर्यादा में बांधे रह सकता है। परलोक की, स्वर्ग नरक की, पुनर्जन्म की मान्यता यह समझाती है कि आज नहीं तो कल, इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में कर्म का फल भोगना पड़ेगा। इसी प्रकार जिन्हें सत्कर्मो के सत्परिणाम नहीं मिल सके हैं, उन्हें भी निराश होने की आवश्यकता नहीं है। संचित, प्रारब्ध और क्रियमाण कर्म समयानुसार फल देते रहते हैं। इस मान्यता को अपनाने वाला न तो निर्भय होकर दुष्कर्मो पर उतारू हो सकता है और न सत्कर्मो की उपलब्धियों से निराश। अन्य धर्म जहां अमुक मत का अवलंबन अथवा अमुक प्रथा प्रक्रिया अपना लेने मात्र से ईश्वर की प्रसन्नता और अनुग्रह की बात कहते हैं, वहां भारतीय धर्म में कर्मफल की मान्यता को प्रधानता दी गई है। भारतीय संस्कृति ऋषि संस्कृति है, देव संस्कृति है यह कहते हुए हमें गर्व होता है तो आवश्यकता इस बात की भी है कि हम अपनी वर्तमान मान्यताओं को विकृतियों के दलदल से निकालें और प्राचीन काल जैसी उच्च स्थिति में पहुंचाएं। मानवी उत्कर्ष हेतु देव मानव फिर उसी रूप में पुनः अपनी भूमिका निभाने आगे आ सकते हैं, जैसा कि कभी सतयुग में रहा होगा।

जीवन जीने का वैज्ञानिक तरीका है आश्रम व्यवस्था

(लेखक- ओमप्रकाश श्रीवास्तव)

जीवन का सबसे बड़ा द्वंद होता है मन और शरीर के बीच । जन्म के बाद से ही शरीर हर क्षण बदलता जाता है। शरीर शिशु से बालक, युवा, प्रौढ़ और वृद्ध होता है। उसकी क्षमताएँ युवा होने तक बढ़ती हैं, कुछ समय स्थिर रहती हैं फिर घटना शुरु होती हैं और अंत में मृत्यु के साथ ही सब कुछ प्रकृति के पंच तत्वों में समा जाता है। शरीर, प्रकृति का भाग है और उस पर नियंत्रण नहीं हो सकता । वह तो प्रकृति के नियमों के अनुसार क्षय होता जाएगा। इसके विपरीत मन पर समय का प्रभाव नहीं पड़ता। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि मन को समय का भान नहीं होता इसलिए वह कभी बूढ़ा नहीं होता। शास्त्रों में मनोनियंत्रण के उपाय बताए गए हैं परंतु वह हर किसी के वश की बात नहीं है। गीता में भगवान् कृष्ण कहते हैं - निःसंदेह मन पर नियंत्रण करना अत्यंत कठिन है (गीता 6.35) परिणाम यह होता है कि शरीर की क्षमता समाप्त हो जाने पर भी मन भूतकाल में ही जकड़ा रहता है, वह सब करना चाहता है जो पहले में करता रहा है । मन चाहता है पर शरीर साथ नहीं देता - यहीं द्वंद पैदा होता है।

जीव को विभिन्न प्रकार के अनुभव कराने के लिए, संसार में विभिन्न अवस्थाओं से गुजारने की व्यवस्था ईश्वर ने की है। जैसे बीज, जड़, तना, पत्तियाँ, फूल, फल और पुनः बीज का क्रम तय है । इसी प्रकार मानव जीवन में शिशु, बाल्य, यौवन, प्रौढ़ और वृद्ध अवस्थाएँ क्रम से आती हैं। इन्हें बदला नहीं जा सकता । प्रत्येक अवस्था का अपना महत्व है और उस समय उसकी अपनी सुंदरता है। बालपने की निश् छलता और निश्चिंतता का अपना सुख है, युवावस्था के पुरुषार्थ, कर्मभूमि के संघर्षों का अपना रोमांच है, प्रौढ़ावस्था की अनुभवशीलता और गंभीरता का अपना सौंदर्य है तो बृद्धावस्था में संसार को साक्षी भाव से देखने और सब परमात्मा पर छोड़ देने का अपना आनन्द है। यदि जीवन के सभी सोपान पूर्ण जागरूकता से जिये जाएँ तो उनकी वासनाएँ क्रमशः समाप्त होती जाती हैं । जीवन का हर चरण अपनी सार्थकता सिद्ध कर लेता है। इसलिए सनातन धर्म में जीवन को चार आश्रमों में बाँटकर प्रत्येक आश्रम के लिए जीवनचर्या निर्धारित की गई है। प्रत्येक आश्रम अगले आश्रम की तैयारी का पड़ाव है।

इस प्रकार यहाँ आश्रम का अर्थ है - जीवन की विशेष अवस्था या सोपान । यह जीवनशैली का वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विभाजन है। मनुष्य की आयु को 100 वर्ष मानकर उसे 25 - 25 वर्ष के चार सोपानों में बाँटा गया है। प्रथम 25 वर्ष तक ब्रह्मचर्य आश्रम, 25 से 50 वर्ष तक गृहस्थ आश्रम, 25 से 75 वर्ष तक वानप्रस्थ आश्रम और 75 वर्ष के बाद संन्यास आश्रम ।

ब्रह्मचर्य - यह उपनयन संस्कार से प्रारंभ होता है तथा बलिष्ठ शरीर और विद्वान मस्तिष्क के निर्माण का सोपान है। इस समय विद्यर्थियों के जीवन में नीति, संस्कृति, सदाचार और अध्यात्म की नींव डाली जाती है। इस अवस्था में उसे गृहस्थाश्रम के अनुरूप कार्यक्षेत्र के कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जाता है। ब्रह्मचारी, मन व इन्द्रियों के संयमपूर्वक यम-नियमों का पालन करता है। मनुस्मृति में ब्रह्मचर्य आश्रम के कर्तव्यों को दो भागों में बाँटा गया है किये जाने वाले और न किये जाने वाले। नित्य किये जाने वाले कार्यों में स्नान, शारीरिक शुद्धता, देव, ऋषि और पितरों को तर्पण, देवताओं की पूजा, अग्निहोत्र आवश्यक हैं। निषेधात्मक कार्यों में विलास की वस्तुएं, मादक पदार्थ, स्त्रियों का संग, काम, क्रोध और लोभ का आचरण, जुआ, गाली-गलौज और निन्दा आदि शामिल हैं (मनुस्मृति 2.176-179)। वैदिक काल में इस समय क्षत्रियों को राजकाज और युद्ध और अस्त्र-शस्त्र चलाने की शिक्षा तो ब्राह्मणों को दर्शन, चिंतन-मनन और कर्मकाण्ड की शिक्षा दी जाती थी। इसके अलावा लौकिक कलाएँ जैसे पशुपालन, कृषि आदि का अध्ययन भी कराया जाता था। वर्तमान संदर्भ में इसे प्राथमिक से उच्च शिक्षा तक का काल समझना चाहिए। ब्रह्मचर्य आश्रम में विद्याध्यन पूर्ण करके समावर्तन संस्कार (दीक्षांत समारोह) के बाद विद्यार्थी घर वापस आता था तो उसे बहुत आदरणीय माना जाता था। यहाँ तक कहा गया है कि वापस आते समय यदि रास्ते में राजा भी मिल जाए तो राजा उसके लिए मार्ग छोड़ दे ।

गृहस्थ - समावर्तन संस्कार के बाद ब्रह्मचारी विवाह करके गृहस्थ आश्रम में प्रवेश करता है। मनुस्मृति में कहा गया है कि चारों आश्रमों में गृहस्थ आश्रम सर्वोपरि है क्योंकि शेष तीन उसी पर निर्भर होते हैं। (मनुस्मृति 6.89)। महाभारत में भी इसे अन्य आश्रमों के लिए माता के समान बताया गया है (महा. अनु. 141/52-53) इसमें व्यक्ति धर्म की सीमाओं के अंतर्गत अर्थ और काम की प्राप्ति और उपभोग करता है। इस समय व्यक्ति में परस्पर प्रेम, आदर और उत्सर्ग की भावना का विकास होता है। मनुस्मृति की प्रसिद्ध उक्ति है - यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता। एक अन्य ग्रंथ का श्लोक है - 'पति ध्यान रखे कि पत्नी प्रसन्न है, पत्नि ध्यान रखे कि पति प्रसन्न है।' तैत्तरीय उपनिषद् कहता है - 'गृहस्थ के पास कोई भी आश्रय माँगने आये तो उसे मना नहीं करना चाहिए। उसका सत्कार करना, भोजन देना गृहस्थ का कर्तव्य है।' इस आश्रम में संसार को विकसित करने का अवसर होता है।

घरेलू कामकाज में अनजाने में हुई हिंसा के निस्तार हेतु प्रतिदिन पंचमहायज्ञ करने का विधान है (मनुस्मृति 3.70) । यह हैं - ब्रह्मयज्ञ (शास्त्रों का पठन-पाठन), पितृयज्ञ (पिण्डदान, श्राद्ध-तर्पण आदि), देवयज्ञ (इष्टदेव की उपासना, पूजा और हवन), भूतयज्ञ (कृमि, कीट-पतंग, पशु और पक्षी आदि प्राणियों को भोजन देना) तथा मनुष्ययज्ञ (अतिथियों का सत्कार तथा भोजन कराना)। गृहस्थ को सत्य और न्यायपूर्वक धनोपार्जन करके, अपनी कामनाओं की पूर्ति करना चाहिए, बच्चों को अच्छे नागरिक के संस्कार देना चाहिए और आत्मकल्याण के लिए देवताओं, पितरों और सभी प्राणियों की निष्कामभाव से सेवा करना चाहिए। यह सांसारिक भोगों का अनुभव कर उनसे ऊपर उठने का सोपान है।

वानप्रस्थ - यह सोपान 50 से 75 वर्ष तक का है। पीढ़ियों के विचारों और रहन-सहन में अंतर के कारण युवाओं के साथ रहने में वृद्धों को समस्या होती है। अतः यह सक्रिय जीवन से मुक्ति का सोपान है, संसार को धीरे-धीरे छोड़ने की प्रक्रिया है। गृहस्थ आश्रम में अर्थ और काम के अनुभव और उनकी निस्सारता को जानकर मोक्ष की ओर प्रस्थान का प्रारंभिक बिन्दु है। इस समय सांसारिक कार्यों से उपराम लिया जाता है। इस आश्रम में घर छोड़कर, जंगल या एकांत में त्याग और वैराग्य का जीवन बिताते हुए नई पीढ़ी को मार्गदर्शन दिया जाता है। वानप्रस्थी को उचित है कि वह प्रतिदिन वेद आदि शास्त्रों का स्वाध्याय करे, इन्द्रियों का दमन करे, सब में मैत्रीभाव रखे, मन को वश में रखे, सदा दान दे, पर प्रतिग्रह न ले तथा सब प्राणियों पर दया रखे (मनुस्मृति 6.8)

संन्यास - 75 वर्ष की आयु के बाद यह आश्रम माना जाता है। इस आश्रम में अग्निहोत्र आदि सम्पूर्ण कर्मों का, सांसारिक रिश्ते-नातों का तथा शिखा-सूत्र का त्याग करके, प्राणिमात्र को अभय देकर संन्यास ग्रहण किया जाता है। इस समय वह घर- संसार छोड़ देता है। अब सारा संसार ही उसका होता है। व्यक्ति आध्यात्मिक ज्ञान के लिए पूर्ण समर्पित हो जाता है। इसका उद्देश्य है जीवन का अंतिम समय पूर्णतः त्याग, तपस्या और ध्यान में व्यतीत करना, आत्मानुभव करना और मृत्यु के बाद के जीवन में प्रवेश करने के लिए स्वैच्छा से तैयार रहना।

जो महान् आत्माएं पूर्व जन्मों के संस्कारों के कारण उच्च चेतना के साथ जन्म लेती हैं, जैसे शंकराचार्य, विवेकानन्द आदि, वे सांसारिक प्रलोभनों से असंपृक्त होते हैं व वे ही सीधे संन्यास के अधिकारी होते हैं। सामान्य लोगों की स्थिति भिन्न है। यदि आंतरिक पवित्रता विकसित नहीं हुई है तो ब्रह्मचर्य मानसिक रूप से बीमार कर देता है। ऐसे साधारण मनुष् यों के लिए तो चार आश्रम हैं ताकि शरीर की अवस् थाओं के आधार पर वे सभी सांसारिक प्रक्रियाओं से गुजरें और उनकी निस्सारता का अनुभव कर लें तब संन्यास आश्रम में जाए। चारों आश्रमों का क्रमपूर्वक यथोचित रीति से सेवन करने पर पालन करने वाले को परम गति प्राप्त होती है (मनुस्मृति 6.88)।

समय की पाबंदी से ही समग्र व्यक्तित्व

सीताराम गुप्ता

लगभग ढाई दशक पूर्व की घटना है। मैं एक व्यक्तित्व विकास विषयक कार्यशाला के प्रेजेंटेशन में भाग लेने के लिए पहुंचा। जैसे ही रिसेप्शन पर पहुंचा तो देखा कि सामने स्थित सेमिनार हॉल का दरवाज़ा बंद हो रहा था। मैंने भी कार्यक्रम में भाग लेने की इच्छा ज़ाहिर की लेकिन रिसेप्शन पर बैठे सज्जन ने बताया कि दरवाज़ा बंद हो चुका है और कार्यक्रम प्रारंभ होने के बाद हम देर से आने वाले किसी भी व्यक्ति को कार्यक्रम में भाग लेने की अनुमति देने में असमर्थ हैं। मैं केवल कुछ ही मिनट लेट हुआ था। मिनट नहीं बल्कि कुछ सैकेंड लेट था। जैसा कि प्रायः होता है, मैंने अपनी तरफ से काफी दलीलें पेश कीं लेकिन वो टस से मस नहीं हुए। उन्होंने कहा-'हमारे यहां समय की पाबंदी का बहुत महत्व है और हम इसका पालन करते हैं।' उन्होंने मुझे अगले दिन इस कार्यक्रम में भाग लेने की सलाह दी। मैंने बस इतना ही कहा कि अब इतनी दूर से दोबारा कौन आएगा और लौट आया और अगले दिन किसी भी हालत में न जाने का निर्णय ले लिया। लेकिन भीतर ही भीतर कशमकश चल रही थी। जो संस्था या व्यक्ति किसी कार्यक्रम के लिए मोटी फीस वसूल करता है और व्यवस्था या समय संबंधी किसी प्रकार की छूट भी नहीं देता उसमें कुछ तो विशेषता अवश्य ही होगी। यह बात मन में आते ही मैंने अपना फैसला बदल लिया और किसी भी स्थिति में देर न हो जाए इसलिए उचित अंतराल से वहां के लिए चल पड़ा। कार्यक्रम सचमुच अच्छा था। इस घटना से कई बातें स्पष्ट होती हैं। लेट हो जाने पर प्रेजेंटेशन में भाग न लेने देने पर संस्था की समय के प्रति प्रतिबद्धता ने उसके प्रति सम्मान व विश्वास ही उत्पन्न किया। इस सम्मान व विश्वास के कारण उन्हें न केवल एक प्रतिभागी या ग्राहक मिला अपितु भविष्य में भी कई ग्राहक मिले। यदि हम भी चाहते हैं कि लोगों का हमारे प्रति सम्मान व विश्वास बढ़े तो हमें हर हाल में समय की पाबंदी का ध्यान रखना चाहिए और समय पर हर काम पूरा करना चाहिए। साथ ही मेरा अगले दिन समय पर पहुंचना भी ये सिद्ध करता है कि यदि हम चाहें तो सदैव समय पर पहुंच सकते हैं। लेट होना कोई विवशता नहीं एक आदत होती है। इसी प्रकार से समय की पाबंदी भी एक आदत बनाई जा सकती है। हमने ऐसे अनेक व्यक्तियों के विषय में पढ़ा अथवा सुना हैं, जिनके विषय में प्रसिद्ध था कि वे समय के बहुत अधिक पाबंद थे। जब वे अपने कार्य के लिए घर से निकलते थे तो आसपास के लोग उनको देखकर अपनी घड़ियां मिलाया करते थे। अपने एक सद् गुण के कारण वे आज भी अत्यंत प्रतिष्ठित हैं। इसमें संदेह नहीं कि यदि यह आदत विकसित हो जाती है तो जीवन में लाभ ही लाभ है। प्रतिदिन सिर्फ कुछ मिनट पहले उठने से लेट होने की समस्या का समाधान सरलता से किया जा सकता है। कहीं भी जाना हो सिर्फ दस मिनट पहले चलने से निश्चित रूप से समय पर पहुंच जाएंगे। समय पर तैयार होकर समय पर पहुंचने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि हम बेकार के तनाव, भागदौड़ व किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बच जाते हैं। बहाने बनाने से मुक्ति मिलती है और जीवन में सत्यनिष्ठा का समावेश हो जाता है। अधिकांश व्यक्ति प्रायः जान-बूझकर लेट होते हैं। कई लोगों को यदि अपेक्षित समय से दस-पंद्रह मिनट कम ऑफिस में रहना पड़े या काम करना पड़े तो उन्हें बड़ी ख़ुशी मिलती है। इसी ख़ुशी को पाने के लिए वे हमेशा लेट जाते हैं और इसके लिए कोई न कोई बहाना भी तैयार रखते हैं। इसका सबसे बुरा प्रभाव तो हमारे व्यक्तित्व पर पड़ता है। हमें झूठ बोलने की आदत पड़ जाती है और हर जगह हम इस आदत को व्यवहार में लाने लगते हैं। यदि लेट होने पर हम अपने स्वास्थ्य को लेकर झूठ बोलते हैं तो हमें उसी के अनुरूप अपनी भाव-भंगिमा भी निर्मित करनी होती है। इसका सबसे बुरा प्रभाव हमारे स्वास्थ्य पर ही पड़ता है। जब हम बार-बार दोहराते हैं कि मेरा स्वास्थ्य ठीक नहीं है अथवा ऐसा अभिनय करते हैं तो हमारे अवचेतन में इस बात व भाव की कंडीशनिंग हो जाती है और हम सचमुच बीमार होने लगते हैं। यदि हम समय की पाबंदी का कड़ाई से पालन करेंगे तो हमें किसी भी प्रकार के झूठ का सहारा लेने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी, जिससे हम ग़लत कंडीशनिंग से बचे रहेंगे और साथ ही मनोदैहिक व्याधियों से भी। हमेशा सच बोलने वाले व्यक्ति के आत्मविश्वास का स्तर भी बहुत ऊंचा रहता है। इससे अन्य गुण अथवा अच्छी आदतें भी स्वतः विकसित होने लगती हैं क्योंकि एक अच्छाई कई अन्य अच्छाइयों को जन्म देने में सक्षम होती है। समय की पाबंदी का कड़ाई से पालन करना व्यक्तित्व को अत्यंत प्रभावशाली बना सकता है, इसमें संदेह नहीं। नियमित रूप से समय पर कार्यालय पहुंचने पर न केवल हमारा कार्य आधा-अधूरा नहीं रहता अपितु हमारा सम्मान भी बढ़ता है। सहकर्मियों अथवा बॉस से संबंध अच्छे रहते हैं। यदि आप कार्यालय में बॉस के पद पर आसीन हैं तो आपके समय की पाबंदी से अन्य सभी कर्मचारी व अधिकारी भी समय पर आने-जाने को प्रेरित होते हैं, जिससे ऑफिस का काम सुचारु चलता है। समय की पाबंदी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि हम हर प्रकार के तनाव से मुक्त रहकर अच्छा स्वास्थ्य व दीर्घायु प्राप्त करने में सक्षम होते हैं।

सू-दोकू नवताल -2165

6			2		5	9		1
	1	8			9	6		
4					8			5
	7		8	5		3		4
2		4		3	1		5	
9			5					3
		6	4			1	9	
8		3	1		7			6

सू-दोकू -2164 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।
आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2165

1	■	2		■	3		4		5
6	7		■	8		■		■	
■		■	9		■	10	■	11	
12			■	13	14		■		■
■		■	15	■		■	16		17
18		19		■		■		■	
	■		■	20			■	21	
22		■	23	■		■	24		■
	■	25		26	■	27		■	28
29			■	30		■	31		

बायें से दायें:-

2. संजीव कुमार, सुचित्रा सेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-2
3. 'इस दीवाने लड़के को' गीत वाली फिल्म-5
6. 'देखो जी देखो मेरा दिल धड़के' गीत वाली फिल्म-3
8. फिल्म 'हैलो ब्रदर' की नायिका-2
9. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-2
11. ऋषि कपूर, अश्विनी भावे, जेबा बख्तियार की फिल्म-2
12. धर्मेन्द्र, सनी, बॉबी, कैटरीना, शिल्पा शेट्टी अभिनीत फिल्म-3
13. फिल्म 'मि. इंडिया' की नायिका-3
16. फिल्म 'बंदिनी' में अशोक कुमार के साथ नायिका-3
18. बॉबी देओल, ट्विंकल की 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-3
20. राजेश खन्ना, अमिताभ, शर्मिला की फिल्म-3
21. संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, एशा देओल, राइमा सेन की फिल्म-2
22. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-2
24. अमिताभ,अमृता सिंह की फिल्म-2
25. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला सिन्हा की फिल्म-3
27. अक्षय कुमार, रवीना टंडन की 'क्यूं आंचल हमारा गिरा जा रहा है' गीत वाली फिल्म-2
29. 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली अमिताभ, वहीदा, जीनत अमान, परवीन बाबी की फिल्म-3
30. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की 'अब चाहे सर फूटे या माथा' गीत वाली फिल्म-2
31. 'मुझे दुनिया वालों शराबी ना समझो' गीत वाली दिलीप कुमार, वैजयंतीमाला की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. प्रशांत और ऐश्वर्या राय की फिल्म-2
2. अमिताभ, अक्षय कुमार, अर्जुन रामपाल, सुष्मिता अभिनीत फिल्म-2
3. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक-2
4. 'चांद सिफारिश जो करता हमारी' गीत वाली फिल्म-2
5. फिल्म 'गॉडमदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी ?-3
7. राजकुमार, विनोद मेहरा, हेमा मालिनी, राखी अभिनीत फिल्म-2,3
8. फिल्म 'जी चाहता है' में जॉय मुखर्जी के साथ नायिका-3
10. संजीव कुमार, नूतन अभिनीत फिल्म-2
11. 'बहके बहके कदम हैं' गीतवाली फिल्म-3
14. फिल्म 'लव मैरिज' में माला सिन्हा के साथ नायक-2,3
15. सनी, सलमान, करिश्मा, अभिनीत फिल्म-2
16. फारुख शेख, पूनम ढिल्लों की फिल्म-2
17. फिल्म 'रात और दिन' की नायिका-3
18. अशोक कुमार, प्रदीप कुमार, मीना कुमारी अभिनीत फिल्म-2,3
19. 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली जॉन, तारा शर्मा की फिल्म-2
21. राजेश खन्ना, हेमा,पूनमढिल्लो की फिल्म-2
23. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-2
24. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की फिल्म-3
25. आमिर, मनीषा अभिनीत फिल्म-2
26. विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी, अमजद की फिल्म-2
28. श्रेयस तलपदे, आयशा टकिया, गुल पनाग की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2164

गु	म	रा	ह	■	मो	■	झु	म	रू
प्त	■	खी	■	से	ह	रा	■	हि	■
■	अ	■	आ	■	रा	ज	कु	मा	र
अ	प	ना	प	न	■	■	ली	■	वि
■	ने	■	की	■	ह	म	■	वि	■
चे	■	ता	क	त	■	म	हा	रा	जा
त	ब्बू	■	स	■	दा	ता	■	स	■
ना	■	प्रे	म	रो	ग	■	सौ	त	न
■	धू	म	■	श्र	■	फि	दा	■	ग
पा	प	■	जा	न	■	जा	■	हे	मा

कर्नाटक के इन हिल स्टेशन के बारे में हर ट्रेवलर को जरूर जानना चाहिए

भारत के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित खूबसूरत राज्य कर्नाटक अपने हाई-टेक हब, नाइटलाइफ़, भव्य महलों, पुराने मंदिरों और वन्यजीव अभयार.यों के लिए जाना जाता है। हालांकि, इस राज्य में हरे-भरे वातावरण और शांति प्रदान करते कई हिल स्टेशन भी हैं। जो लोग शहर की भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के बीच कुछ शांत समय बिताना चाहते हैं, वह इन हिल स्टेशनों में जा सकते हैं। हरी-भरी पहाड़ियों, झरनों और सुविधाजनक स्थानों से लेकर ऐतिहासिक आकर्षणों और एड्रेनालाईन गतिविधियों तक, कर्नाटक के हिल स्टेशनों में बहुत कुछ है। तो चलिए आज हम आपको कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशनों के बारे में बता रहे हैं-

चिकमगलूर, कर्नाटक

चिकमगलूर चाय और कॉफी के बागानों, दूधिया-सफेद झरनों और खूबसूरत पार्कों से भरपूर है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान हेब्बे फॉल्स, कल्लाथिगिरी फॉल्स, हनुमना गुंडी फॉल्स, भद्रा वन्यजीव अभयारण्य, महात्मा गांधी पार्क, कॉफी संग्रहालय, हिरेकोले झील, कोडंदरामा मंदिर आदि हैं। अगर आप यहां पर हैं तो चाय और कॉफी के बागानों में टहलें, उच्चतम मुल्लायनगिरी चोटी पर जाएँ, क्यातनामक्की में सुंदर दृश्यों का आनंद लें, अमृतेश्वर और विद्याशंकर मंदिर में जाएं।

नंदी हिल्स, कर्नाटक

4849 फीट की ऊंचाई पर स्थित नंदी हिल्स कर्नाटक के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। हरे भरे परिवेश, ट्रेकिंग ट्रेल्स और आश्चर्यजनक दृश्यों के अलावा, इस जगह में कई स्मारकों और मंदिरों के साथ एक लोकप्रिय ऐतिहासिक किला भी है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान टीपू की बूंद, टीपू का ग्रीष्मकालीन निवास, अमृता सरोवर, भोग नंदीश्वर मंदिर, ब्रह्माश्रम, नेहरू निलय, ग्रोवर ज़म्पा वाइनयार्ड आदि है।

सिरसी, कर्नाटक

घने जंगलों के बीच बसा कर्नाटक का यह आकर्षक हिल स्टेशन, बैंगलोर से एक आदर्श वीकेंड गेटवे है। विविध वन्यजीवों से भरे घने उष्णकटिबंधीय जंगलों से लेकर सुरम्य झरनों और हरी-भरी पहाड़ियों तक, सिरसी की प्राकृतिक सुंदरता आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। अगर आप यहां पर हैं तो मुरेगर फॉल्स, शिवगंगा फॉल्स, बुरुड फॉल्स, उंचल्ली फॉल्स, विभूति फॉल्स, मरिकंबा मंदिर, श्री महागणपति मंदिर, गुडवी पक्षी अभयार.य आदि जगहों को जरूर एक्सप्लोर करें।

माले महादेश्वर या एमएम हिल्स, कर्नाटक

सात पहाड़ी श्रृंखलाओं, एमएम हिल्स समुद्र तल से 3200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और 'स्वयंभू' या स्वयं प्रकट रूप में भगवान शिव के साथ एक प्राचीन मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। धार्मिक स्थलों के अलावा, यह स्थान वनस्पतियों और जीवों में समृद्ध है, जो इसे वन्यजीव प्रेमियों और एड्रेनालाईन के दीवाने लोगों के बीच एक लोकप्रिय आकर्षण बनाता है। यहां पर आने वाले हर यात्री को श्री माले महादेश्वर मंदिर, थाला बेट्टा, नागमाले हिल्स आदि जगहों पर जरूर जाएं। साथ ही घने जंगलों में हाथियों और अन्य जानवरों को देखना ना भूलें।

गंगामूला, कर्नाटक

हरे-भरे और घने जंगलों से घिरा गंगामूला उन लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है जो प्रकृति की गोद में क्वालिटी टाइम बिताना चाहते हैं। हिल स्टेशन एक धुंधली जलवायु और आश्चर्यजनक परिदृश्य और आकर्षण का आनंद लेता है। यह स्थान तीन महत्वपूर्ण नदियों- तुंगा, भद्रा और नेत्रावती का उद्गम स्थल होने के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थानों में हनुमना गुंडी जलप्रपात, श्री अन्नपूर्णेश्वरी मंदिर, सिरिमाने जलप्रपात, गोमतेश्वर प्रतिमा, चतुर्मुख बसदी, श्री वेंकटरमण मंदिर, अंबा तीर्थ आदि शामिल है। अगर आप यहां पर हैं तो कुरिंजल पीक और नरसिम्हा पर्वत के लिए ट्रेक, कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता को देखें। भगवती प्रकृति शिविर में प्रकृति की सैर, जीप सफारी और ट्रेकिंग का आनंद लें।

दुनिया के इन खूबसूरत बीचेस पर घूमने का है एक अलग ही आनंद

जब भी समर वेकेशन की बात होती है तो लोग अक्सर बीच पर जाना ही पसंद करते हैं। समुद्र तट के किनारे बैठकर कुछ पल फुरसत के बिताने का अपना एक अलग ही आनंद है। लेकिन यह लुत्फ तब और भी ज्यादा बढ़ जाता है, जब वह बीच भी बेहद साफ व खूबसूरत हो। दरअसल, बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण का असर विश्व में मौजूद बीचेस पर भी पड़ा है, जिसके कारण वह अब पहले जैसे साफ नहीं रह गए हैं। लेकिन फिर भी कुछ ऐसे बीचेस हैं, जो बेहद क्लीन है और इसलिए यहां पर घूमना यकीनन आपको भी काफी अच्छा लगेगा। तो चलिए जानते हैं इन बीचेस के बारे में-

लानिकाई बीच, ओहू, हवाई

लानिकाई बीच बेहद ही खूबसूरत बीच हैं। इस समुद्र तट को खोजने में थोड़ी मुश्किल हो सकती है, लेकिन ओहू में टूरिस्ट टैफिक की हलचल से दूर, यह किसी स्वर्ग से कम नहीं है। लुभावना नीला पानी आपको मोहित कर लेगा। सह समुद्र तट मुख्य रूप से अपने पानी के लिए जाना जाता है, और यह आपकी कश्ती, पैडलबोर्ड और तैराकी की जरूरतों को पूरा करने के लिए एकदम सही है।

माया बे, थाईलैंड

थाईलैंड में स्थित शानदार माया बे बीच लगभग 200 मीटर लंबा मुख्य समुद्र तट है और यह अपने पानी के नीचे रंगीन मूंगा, चमकदार साफ पानी और विदेशी मछली के लिए जाना जाता है। इसकी खूबसूरती का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि डैनी बॉयल ने लियोनार्डो डिकैप्रियो अभिनीत मूवी द बीच (2000) की शूटिंग के लिए इस खूबसूरत समुद्र तट को चुना।

व्हाइटहेवन बीच, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया

ग्रेट बैरियर रीफ के केंद्र में स्थित, और व्हाट्सुनडे आइलैंड्स नेशनल पार्क के संरक्षित लिफाफे में मौजूद व्हाइटहेवन बीच ऑस्ट्रेलिया में अब तक का सबसे प्रसिद्ध समुद्र तट है। बड़े पैमाने पर यह बीच 4.4 मील (7 किमी) तक फैला है। यह समुद्र तट कुछ शुद्ध सफेद सिलिका रेत, और फ़िरोज़ा, नीले और हरे रंग के साफ पानी के मंत्रमुग्ध कर देने वाले दृश्य प्रस्तुत करता है।

लांग बीच, वैंकूवर द्वीप, कनाडा

कनाडा के वैंकूवर द्वीप पर सबसे लंबा रेतीला समुद्र तट, जिसे उपयुक्त रूप से लॉन्ग बीच कहा जाता है, कुछ सबसे शांत दृश्य और अद्भुत समुद्री जंगल प्रदान करता है। प्रशांत रिम नेशनल पार्क रिजर्व के भीतर स्थित यह समुद्र तट 10 मील (16 किमी) तक फैला हुआ है। इसकी खूबसूरत रेत और रेनफोरेस्ट के व्यू इस स्थान को और भी बेहतरीन व खूबसूरत बनाता है।

एलोरा गुफाओं की बात है निराली, जानिए इनके बारे में

एलोरा गुफाएं, उत्तर-पश्चिम-मध्य महाराष्ट्र राज्य में 34 शानदार रॉक-कट मंदिरों की एक श्रृंखला है। वे औरंगाबाद के उत्तर-पश्चिम में 19 मील और अजंता की गुफाओं से 50 मील दक्षिण-पश्चिम में एलोरा गांव के पास स्थित हैं। करीबन 2 किमी की दूरी में फैले इन मंदिरों को बेसाल्टिक चट्टानों से काटा गया था और इनमें विस्तृत अग्रभाग और आंतरिक दीवारें हैं। एलोरा परिसर को 1983 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित किया गया था। ये लुभावनी गुफाएं अपनी मूर्तियों और वास्तुकला के लिए निश्चित रूप से देखने लायक हैं। तो चलिए आज हम आपको एलोरा गुफाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

धार्मिक विविधता का है प्रतीक

एलोरा की गुफाएं न केवल तीन महान धर्मों (बौद्ध, ब्राह्मणवाद और जैन धर्म) की गवाही देती हैं, बल्कि वे सहिष्णुता की भावना, प्राचीन भारत की विशेषता को भी दर्शाती हैं, जिसने इन तीनों धर्मों को अपने अभयारण्यों और अपने समुदायों को एक ही स्थान पर स्थापित करने की अनुमति दी। 12 बौद्ध गुफाएं (दक्षिण में) लगभग 200 ईसा पूर्व से 600 सीईं तक, 17 हिंदू मंदिर (केंद्र में) लगभग 500 से 900 सीईं तक और 5 जैन मंदिर (उत्तर में) लगभग 800 से 1000 सीईं तक बनाई गई हैं। एलोरा ने मठों (विहारों) और मंदिरों (चैत्य) के एक समूह के रूप में कार्य किया।

कैलासा गुफा है बेहद प्रसिद्ध

गुफा मंदिरों में सबसे उल्लेखनीय कैलासा (कैलासनाथ गुफा 16) है, जिसका नाम हिमालय के कैलास रेंज में पर्वत के लिए रखा गया है जहां हिंदू भगवान शिव निवास करते हैं। साइट पर अन्य मंदिरों के विपरीत, जो पहले चट्टान के चेहरे में क्षैतिज रूप से खोदे गए थे, कैलासा परिसर को बेसाल्टिक ढलान से नीचे की ओर खोदा गया था और इसलिए यह काफी हद तक सूर्य के प्रकाश के संपर्क में है। 8 वीं शताब्दी में मंदिर का निर्माण, कृष्ण प्रथम के शासनकाल में शुरू हुआ। इसमें सीढ़ियों, दरवाजों, खिड़कियों और कई निश्चित मूर्तियों के साथ विस्तृत नक्काशीदार मोनोलिथ और हॉल हैं। इसकी बेहतर सजावट में से एक विष्णु का एक दृश्य है जो एक नरसिंह में बदल गए। प्रवेश द्वार के ठीक बाहर, मुख्य प्रांगण में, शिव के बैल नंदी का एक स्मारक है। हॉल के भीतर चित्रण में 10 सिरों वाले राक्षस राजा रावण ने ताकत के प्रदर्शन में कैलास पर्वत को हिलाने का दृश्य भी मौजूद है।

जैन गुफाएं

जैन मंदिरों में उल्लेखनीय गुफा 32 है, जिसमें कमल के फूलों और अन्य विस्तृत आभूषणों की बारीक नक्काशी शामिल है। हर साल ये गुफाएं धार्मिक तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की बड़ी भीड़ को आकर्षित करती हैं। शास्त्रीय नृत्य और संगीत का वार्षिक एलोरा महोत्सव मार्च के तीसरे सप्ताह में वहाँ आयोजित किया जाता है।

निसान ने मैग्नाइट रेड संस्करण उतारा

नई दिल्ली । वाहन विनिर्माता कंपनी निसान मोटर इंडिया ने बुधवार को अपने मॉडल मैग्नाइट का 'रेड' संस्करण उतारा है जिसकी कीमत 7.86 लाख रुपये से शुरू है। नया संस्करण मॉडल के एक्सवी वेरियंट पर आधारित है। यह वाई-फाई कनेक्टिविटी और आठ इंच के टचस्क्रीन के साथ-साथ अन्य आधुनिक तकनीकों एवं सुविधाओं से लैस है। निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक राकेश श्रीवास्तव ने कहा` कि निसान मैग्नाइट रेड संस्करण की वजह से इस मॉडल की मांग और बढ़ेगी। इसमें जो फीचर दिए जा रहे हैं उनसे ग्राहकों का आराम और सुविधा दोनों बढ़ेंगे। नए संस्करण की कीमत 7.86 से 9.99 लाख रुपये के बीच है।

मुंबई में सीएनजी 4 रुपए महंगी, पीएनजी में भी इजाफा

मुंबई । महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने मुंबई में एक बार फिर सीएनजी की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। इस बार सीएनजी का दाम चार रुपए प्रति किलोग्राम बढ़ाया गया है। इसके साथ ही पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के दाम तीन रुपये प्रति मानक घनमीटर (प्रति इकाई) बढ़ाए गए हैं। गैस वितरक कंपनी ने कहा कि कीमतों में लगातार बढ़ोतरी की वजह गैस कीमतों में तेजी और रुपए में गिरावट है। कंपनी दरअसल घरेलू गैस आवंटन में कमी को पूरा करने के लिए विदेशी बाजार से गैस खरीद रही है। इस वृद्धि के साथ मुंबई और उसके आसपास के क्षेत्रों में सीएनजी की कीमत चार रुपए बढ़कर 80 रुपए प्रति किलो और पीएनजी का दाम तीन रुपए प्रति इकाई बढ़कर 48.50 रुपए हो गया है।

आनंद राठी वेल्थ का मुनाफा 33.6 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । वित्तीय सेवा समूह आनंद राठी की इकाई आनंद राठी वेल्थ सॉल्यूशंस का जून, 2022 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही का मुनाफा 33.6 प्रतिशत बढ़कर 39.7 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।आनंद राठी वेल्थ ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 29.7 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का कुल राजस्व 35.7 प्रतिशत बढ़कर 133.5 करोड़ रुपये हो गया, जो जून, 2021 को समाप्त पहली तिमाही में 98.4 करोड़ रुपये था। आनंद राठी वेल्थ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चुनौतीपूर्ण बाजार परिदृश्य के बावजूद कंपनी ने तिमाही के लिए मजबूत वृद्धि दर्ज की है। इस साल जून के ओ खिर तक कंपनी के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) 32,961 करोड़ रुपये थीं, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक हैं।

टेस्ला के शेयर डूबे, ट्विटर ने एलन मस्क पर किया केस दर्ज

मुंबई । दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने जैसे ही ट्विटर के साथ डील कैंसिल की, कंपनी के शेयर बुरी तरह टूट गए। मस्क की बातों से ऐसा लग रहा है जैसे वह फेक ट्विटर अकाउंट्स की संख्या अधिक होने के चलते ऐसा कर रहे हैं। 17 मई को मस्क ने कहा कि 20 प्रतिशत ट्विटर खाते फर्जी हैं ले किन अब ट्विटर ने एलन मस्क पर केस कर दिया है और कोर्ट में घसीटने की तैयारी चल रही है। जब से एलन मस्क ने ट्विटर को खरीदने की घोषणा की है, उनकी मुख्य कंपनी टेस्ला के शेयर लगातार गिरते ही जा रहे हैं। 4 अप्रैल को पहली बार यह बात सामने आई थी कि एलन मस्क जल्द ही ट्विटर को खरीदने जा रहे हैं। उस दिन टेस्ला का शेयर करीब 1150 डॉलर पर था। वहीं अ बुधवार को करीब सवा दो महीने बाद कंपनी का शेयर गिरते-गिरते 700 डॉलर पर आ गया है यानी करीब 450 डॉलर प्रति शेयर का नुकसान। मस्क के पास टेस्ला के करीब 17.50 करोड़ शेयर हैं। 4 अप्रैल को एलन मस्क की नेटवर्थ करीब 288 अरब डॉलर थी, जो अब वर्तमान में करीब 75 अरब डॉलर गिरकर 214 अरब डॉलर पर आ गई है। जब एलन मस्क से ट्विटर को खरीदने का फैसला किया था, तब कंपनी के शेयरों की कीमत 54.20 डॉलर थी, जो घटते-घटते 36.81 डॉलर रह गई है।

भारत में महंगाई दर मार्च 2023 तक 5 फीसदी होगी

चेन्नई।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को उम्मीद है कि अगले साल मार्च तक भारत में महंगाई दर लगभग पांच प्रतिशत हो जाएगी। एक शोध रिपोर्ट में, एसबीआई ने यह भी कहा कि भारत सरकार द्वारा जून 2022 के लिए जारी 7.01 प्रतिशत मुद्रास्फीति दर इस बात की पुष्टि करती है कि अब ये दर नीचे ही आएगी। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, आपूर्ति कारकों के चलते मुद्रास्फीति सितंबर 2021 के बाद बढ़ने लगी, जबकि मांग आधारित सीपीआई कमोबेश स्थिर रही। दोनों फरवरी 2022 के बाद (रूस-यूक्रेन संघर्ष की शुरूआत के बाद से) एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि, हाल के महीनों में मांग के कारण सीपीआई मुद्रास्फीति थोड़ी बढ़ गई है, जबकि आपूर्ति की वजह से सीपीआई मुद्रास्फीति कम हो रही है, एसबीआई ने कहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई को दरों में और वृद्धि करनी पड़ सकती है, हालांकि आपूर्ति कारकों के कारण मुद्रास्फीति में स्पष्ट गिरावट का रुझान दिख रहा है। कोर मुद्रास्फीति अप्रैल में अपने चरम से नीचे चली गई है (पिछले 12 महीनों को

संदर्भ अवधि के रूप में लेते हुए)। परिवहन और संचार के योगदान में गिरावट अप्रैल में 1.7 प्रतिशत से जून में 1.1 प्रतिशत तक गिरने के कारण है। कोर सीपीआई में गिरावट मोटे तौर पर पिछले महीनों में उच्च मुद्रास्फीति दर के प्रभाव के कारण मांग में गिरावट का असर है। महाराष्ट्र जैसे प्रमुख राज्य में ईंधन पर वैट में कटौती हो सकती है। बुरी खबर यह है कि वित्त वर्ष 2023 में नई निवेश की घोषणा लगभग 27 प्रतिशत घटकर 4.35 लाख करोड़ रुपये रह गई है जबकि वित्त वर्ष 2022 में 5.99 लाख करोड़ रुपये थी

रूस से ज्यादा से ज्यादा डीज़ल खरीदना चाहता है ब्राजील: विदेश मंत्री

संयुक्त राष्ट्र । ब्राजील के विदेश मंत्री कार्लोस अल्बर्टो फ्रांका ने कहा कि रूस के साथ एक समझौते के बाद उनका देश मॉस्को से ज्यादा से ज्यादा डीज़ल खरीदना चाहता है। फ्रांका ने रूस को एक रणनीतिक साझेदार करार देते हुए कहा कि ब्राजील में डीज़ल की कमी है। उन्होंने कहा कि बेशक, हमें यह सुनिश्चित करना है कि ब्राजील में कृषि के लिए पर्याप्त डीज़ल हो और ब्राजील के वाहन चालकों के लिए भी। विदेश मंत्री ने कहा कि इसलिए हम डीज़ल के विश्वसनीय आपूर्तिकर्ताओं की तलाश कर रहे थे और रूस उनमें से एक है। ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोल्सनारो ने ब्रासीलिया में एक सवाल के जवाब में कहा था कि ब्राजील ने एक समझौता किया है और रूस से डीज़ल 60 दिन के भीतर यहां आने लगेगा।

ऑस्ट्रेलिया में नई सरकार भारत के साथ कारोबारी समझौते का समर्थन करती है: गोयल

नई दिल्ली । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में नई सरकार भारत के साथ हुए कारोबारी समझौते का समर्थन करती है और इस समझौते को मंजूरी दिलाने के लिए वह जल्द ही संसद का रूख करेगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अप्रैल में भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता (ईसीटीए) पर हस्ताक्षर हुए थे। इसे ऑस्ट्रेलिया की संसद से मंजूरी मिलने के बाद लागू किया जा सकेगा। गोयल ने कहा` कि मैंने डोन फारेल से मुलाकात की है, वह ऑस्ट्रेलिया की नई सरकार में व्यापार मंत्री हैं। उन्होंने इस बात की पुष्टि की है कि ईसीटीए को जल्द ही संसद में ले जाया जाएगा, वे इस समझौते का समर्थन करते हैं और आने वाले समय में भारत के साथ सरोकार और बढ़ाना चाहते हैं। इस समझौते से भारत के कपड़ा, चमड़ा, फर्नीचर, आभूषण और मशीनरी समेत करीब 6,000 क्षेत्रों को ऑस्ट्रेलिया के बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। गोयल ने पहले कहा था कि यह समझौता द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 27.5 अरब डॉलर से बढ़ाकर अगले पांच वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर तक पहुंचने में मददगार होगा।

दिल्ली हाईकोर्ट ने वीवो को अपने बैंक खाते कुछ शर्तों के साथ संचालित करने की दी अनुमति

नई दिल्ली ।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को चीनी स्मार्टफोन निर्माता वीवो को 950 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी प्रस्तुत करने और अपने खातों में 250 करोड़ रुपये बनाए रखने की शर्त पर अपने बैंक खातों को संचालित करने की अनुमति दी. न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की पीठ ने अपने जमे हुए बैंक खातों को संचालित करने की अनुमति देने वाली वीवो की याचिका पर सुनवाई करते हुए कंपनी से सात कार्य दिवसों के भीतर निर्देशों का पालन करने को कहा.अदालत ने चीनी फर्म को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को अपनी बैंक गतिविधियों और प्रेषण के बारे में विवरण प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया और मामले को आगे की सुनवाई के लिए 28 जुलाई को पोस्ट किया. पिछली सुनवाई में वीवो के वकील सिद्धार्थ लूथरा और सिद्धार्थ अग्रवाल ने कहा था कि नौ बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए हैं, जिनमें करीब 250 करोड़ रुपये हैं. पिछले हफ्ते ईडी ने स्मार्टफोन निर्माता वीवो समेत चीनी कंपनियों के 22 राज्यों के 44 ठिकानों पर छापेमारी की थी. जांच एजेंसी ने तर्क दिया कि वीवो ने अपनी कुल बिक्री का 50 फीसदी यानी 62,476 करोड़ रुपये चीन को भेजे. ईडी ने आरोप लगाया कि उसने पिछले दो वर्षों में लगभग 1.20 लाख करोड़ रुपये कमाए, लेकिन करों का भुगतान करने से बचने के लिए इसमें से लगभग आधे का भुगतान किया. ईडी ने कहा कि इससे भारतीय निगमित कंपनियों को भारी नुकसान हुआ है. छापेमारी के बाद वीवो ने हाई कोर्ट का रुख किया था. अपनी याचिका में, वीवो ने कहा कि उसके खिलाफ आदेश धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 17 के जनादेश के विपरीत हैं, चूंकि इसमें फ्रीजिंग का कोई कारण नहीं होता है, बैंक खाते को फ्रीज क्यों किया जाना चाहिए, इस पर 'विश्वास करने के कारण' की बात तो छोड़ ही दें. याचिका में कहा गया है कि यह बिना सोचे-समझे यांत्रिक रूप से पारित एक सामान्य आदेश है. इसने आगे कहा कि जमे हुए खातों का उपयोग वेतन और वैधानिक बकाया के भुगतान, याचिकाकर्ता के संचालन के लिए क्रेडिट पत्र खोलने और याचिकाकर्ता के दिन-प्रतिदिन के कामकाज के लिए आवश्यक सभी प्रकार के खर्चें के लिए किया जाता है. लगभग 2,826 करोड़ रुपये का मासिक भुगतान वैधानिक बकाया, वेतन, किराया, दैनिक व्यवसाय संचालन के लिए धन आदि के लिए किया जाना है. बैंक खातों को फ्रीज करने के कारण, याचिकाकर्ता अपने उपरोक्त दायित्वों को पूरा करने में असमर्थ होगा.

सोने वायदा कीमत बढ़ी, चांदी में नरमी

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में नरमी की वजह से सोने एवं चांदी की वायदा कीमतों में बुधवार को मिलाजुला रुख देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अगस्त, 2022 में डिलीवरी वाले सोने के भाव में 65 रुपये की तेजी के साथ 50,522 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पिछले सत्र में अगस्त कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने का दाम 50,457 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा था। वहीं अक्टूबर 2022 में डिलीवरी वाले सोने में 88 रुपये की तेजी के साथ 50,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पिछले सत्र में अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने का भाव 50,752 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 09~56 बजे सितंबर, 2022 में डिलीवरी वाली चांदी में 21 रुपये की गिरावट के साथ 56,445 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पिछले सत्र में सितंबर में डिलीवरी वाली चांदी की कीमत 56,466 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी। दिसंबर 2022 कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी में 50 रुपये यानी 0.09 फीसदी की टूट के साथ 57,340 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार हो रही था। इससे पिछले सत्र में चांदी की कीमत 57,390 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी। वैश्विक बाजार में सोने में 1.10 डॉलर की गिरावट के साथ 1,723.70 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार हो रहा था। वहीं हाजिर बाजार में सोने में 0.16 डॉलर की गिरावट के साथ 1,725.84 डॉलर के स्तर पर कारोबार हो रहा ` था। कॉमेक्स पर चांदी में सितंबर, 2022 में 0.08 डॉलर की गिरावट के साथ 18.88 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार हो रही थी। वहीं स्पॉट मार्केट में चांदी 0.01 डॉलर की तेजी के साथ 18.95 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर से नीचे

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में पिछले 24 घंटे के दौरान बड़ी गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड का भाव तीन महीने में दूसरी बार 100 डॉलर से नीचे आ गया है, जबकि डब्ल्यूटीआई अब 95 डॉलर के आसपास है। कच्चे तेल में जारी गिरावट के बीच बुधवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में पेट्रोल अब भी 96.72 रुपये लीटर मिल रहा है। कंपनियों ने 6 अप्रैल के बाद से इसकी कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है, जबकि क्रूड के भाव एक समय 140 डॉलर प्रति बैरल तक चले गए थे। ग्लोबल मार्केट में ब्रेंट क्रूड का भाव मंगलवार सुबह 105.9 डॉलर था, जो बुधवार 99.7 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। डब्ल्यूटीआई का भाव 95.5 डॉलर प्रति बैरल है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 109.27 रुपये और डीजल 95.84 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर हो गया है, लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है, पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

ऑडी ने ए8 एल का नया संस्करण पेश किया

उदयपुर ।

लग्जरी कार विनिर्माता कंपनी ऑडी ने भारत में अपनी उत्पाद श्रृंखला का विस्तार करते हुए ए8 एल मॉडल का नया संस्करण बाजार में उतारा है जिसकी कीमत 1.29 करोड़ रुपये रखी गई है। जर्मनी की कंपनी ने मॉडल की चौथी पीढ़ी के दो संस्करण उतारे हैं जो हैं सेलिब्रेशन एडिशन और टेक्नोलॉजी, इनकी कीमत क्रमशः 1.29 करोड़ रुपये और 1.57 करोड़ रुपये रखी गई है। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लन ने कहा` कि कंपनी इन कारों के जरिए पसंद के अनुरूप सुविधा देने पर ध्यान दे रहे हैं जिससे कि ग्राहक के लिए हर एक इकाई अलग और अनोखी हो। इस मॉडल में तीन लीटर का पेट्रोल इंजन है और यह महज 5.7 सेकेंड में शून्य से 100 किमी की रफ्तार पकड़ सकती है।

रुपए में विदेशी व्यापार की मंजूरी से मुद्रा पर दबाव घटेगा: विशेषज्ञ

मुंबई ।

रुपए में अंतरराष्ट्रीय व्यापार लेनदेन की अनुमति देने से व्यापार सौदों के निपटान के लिए विदेशी मुद्रा की मांग घटने के साथ घरेलू मुद्रा की गिरावट रोकने में भी मदद मिलेगी। विशेषज्ञों ने यह बात कही। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले सोमवार को बैंकों से कहा कि भारतीय रुपए में बिल बनाने, भुगतान और आयात-निर्यात सौदों को संपन्न करने के अतिरिक्त इंतजाम रखें। भारत से निर्यात बढ़ाने और रुपये में वैश्विक कारोबारी समुदाय की बढ़ती रुचि को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि इस व्यवस्था से रुपये पर दबाव कम होगा क्योंकि आयात के लिए डॉलर की मांग नहीं रह जाएगी। बैंक ऑफ अमेरिका मेरिल लिंच ने एक रिपोर्ट में कहा कि इस कदम से डॉलर की मांग पर दबाव तात्कालिक रूप से कम हो जाना चाहिए।

बार्कलेज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) राहुल बजोरिया ने कहा कि रुपये की

मौजूदा कमजोरी के बीच यह कदम संभवतः व्यापार सौदों के रुपये में निपटान को बढ़ावा देकर विदेशी मुद्रा की मांग घटाने के लिए उठाया गया है।

आरबीआई ने कहा है कि व्यापार सौदों के निपटान के लिए संबंधित बैंकों को साझेदार देश के एजेंट बैंक का विशेष रुपया वोस्ट्रो खातों की जरूरत होगी।

देश के औद्योगिक उत्पादन में 19.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज

- पिछले वर्ष के समान समय के मुकाबले में करीब 8 फीसदी कम

नई दिल्ली।

नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस (एनएसओ) ने औद्योगिक उत्पादन के ताजा आंकड़े जारी किए हैं। ये भारतीय अर्थव्यवस्था में अच्छी रिकवरी के संकेत दे रहे हैं। एनएसओ की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार मई 2022 में देश का औद्योगिक उत्पादन इंडेक्स (इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन) कुल मिलाकर 19.6 फीसदी की रफ्तार से बढ़ा है। ग्रोथ की कीमत में आए इस सुधार के लिए मुख्य तौर पर मैन्युफैक्चरिंग, पावर और माइनिंग सेक्टर्स का अच्छा प्रदर्शन जिम्मेदार है। यह एक साल में आईआईपी की सर्वाधिक वृद्धि है। एनएसओ ने ये आंकड़े 12 जुलाई को जारी किए हैं। हालांकि, ये पिछले वर्ष के समान समय के मुकाबले करीब 8 फीसदी कम है। मई 2021 में इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन 27.6 फीसदी था। हालांकि तब भी और इस बार भी लो बेस को इसका प्रमुख जिम्मेदार माना जा रहा था। ताजा आंकड़ों के मुताबिक मई 2022 में देश के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ रेट 20.6 फीसदी रही है। इसी दौरान माइनिंग सेक्टर का आउटपुट 10.9 फीसदी की रफ्तार से बढ़ा। वहीं पावर जेनरेशन में 23.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इससे पहले अप्रैल 2022 में माइनिंग का उत्पादन 7.8 प्रतिशत और बिजली उत्पादन 11.8 प्रतिशत बढ़ा था। उपयोग के आधार पर देखें तो प्राइमरी गुड्स में 17.7 फीसदी, कैपिटल गुड्स में 54 फीसदी, इंटरमीडिएड गुड्स में 17.9 फीसदी, इंफ्रा गुड्स में 18.2 फीसदी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 58.5 फीसदी की ग्रोथ देखने को मिली है।

एमओएफएसएल ग्रुप के एक अर्थशास्त्री ने कहा है कि यह आईआईपी में ग्रोथ अनुमानों के अनुरूप नहीं है। इससे अधिक वृद्धि का अनुमान लगाया जा रहा था इसलिए आंकड़ों को देखकर कोई हैरानी नहीं हुई है। यह आंकड़े लो बेस के कारण आए हैं। कुल मिलाकर इन आंकड़ों पर मौद्रिक नीति का कोई प्रभाव देखने को नहीं मिला है। महंगाई के मोर्चे पर जून में आम आदमी को थोड़ी राहत मिली है। सरकार ने कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) आधारित रिटेल महंगाई दर के आंकड़े जारी किए। आंकड़ों के अनुसार जून में खुदरा महंगाई दर 7.01 फीसदी रही।

डीजीसीए को इंडिगो, गोफर्स्ट और कर्मचारियों के बीच विवाद जल्द सुलझने की उम्मीद

नयी दिल्ली,

डीजीसीए ने विमानन कंपनी इंडिगो और गोफर्स्ट के विमान रखरखाव से जुड़े कर्मचारियों के बीच कम वेतन को लेकर जारी विवाद के जल्द सुलझने की उम्मीद जताई है। नागर विमानन निदेशालय (डीजीसीए) ने बुधवार को कहा कि दोनों विमानन कंपनी के कई तकनीकी कर्मचारी अभी भी स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए छुट्टी पर गए हुए हैं। हालांकि, इस दौरान दोनों कंपनियों का संचालन सामान्य बना हुआ है।

डीजीसीए ने एक बयान में कहा, ''हम स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। अभी तक संचालन सामान्य है। उम्मीद है, इसे जल्द ही सुलझा लिया जाएगा।''

सूत्रों के अनुसार इंडिगो ने इस तरह से छुट्टी लेने वाले कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है।

सूत्रों ने बताया कि गो फर्स्ट के कुछ तकनीकी कर्मचारी जो पिछले तीन दिनों के दौरान बीमारी के लिए छुट्टी पर गए थे, उन्होंने एयरलाइन के प्रबंधन को ई-मेल भेजकर अपना वेतन बढ़ाने के लिए कहा है। इससे पहले दो जुलाई को इंडिगो की करीब 55 प्रतिशत घरेलू उड़ानें देरी से उड़ी थी। बड़ी संख्या में कंपनी के चालक दल के सदस्यों ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अवकाश लिया था। गौरतलब है कि कई घरेलू विमानन कंपनियों ने कोविड-19 महामारी के अपने चरम पर होने के दौरान कर्मचारियों के एक बड़े वर्ग के वेतन में कटौती की थी।

रिकॉर्ड उपस्थिति के बावजूद विम्बलडन की टिकट बिक्री में देखी गई कमी

लंदन । ग्रैंड स्लैम आयोजन विम्बलडन में 14 दिनों की रिकॉर्ड उपस्थिति के बावजूद प्री-टूर्नामेंट टिकट बिक्री में पहली बार करीब 25,000 की कमी दर्ज की गई। ऑल इंग्लैंड क्लब के 2022 आयोजन में 5,15,164 लोग प्रतियोगिता देखने आए। यह विम्बलडन के 145 साल के इतिहास में सर्वाधिक हाजिरी है। इससे पहले 2009 में 5,11,043 और 2019 में 5,00,397 लोग आयोजन में उपस्थित रहे थे। इस साल के आयोजन में 'मध्य रविवार' को होने वाले मैचों के कारण ज्यादा लोगों के आने की उम्मीद थी। ऑल इंग्लैंड क्लब के अनुमान करीब 5,40,000 लोग विम्बलडन 2022 देखने आ सकते थे, लेकिन ग्राउंड पास उस तरह नहीं बिके जिस तरह उम्मीद की गई थी। इसके बाद ऑल इंग्लैंड क्लब ने 'टिकटों की समीक्षा' शुरू की है, ताकि टूर्नामेंट के शुरुआती पांच दिनों में लगभग 20,000 लोगों की कमी पर विचार किया जा सके। उल्लेखनीय है कि विम्बलडन के सबसे महंगे टिकटों की बिक्री सफलतापूर्वक की गयी, और 23 लाख झरबेरों (स्ट्रॉबेरी) का भी सेवन किया गया, इसलिये क्लब को नहीं लगता कि टिकटों का मूल्य या लोगों की समाप्त होती रूचि लोगों की अनुपस्थिति का कारण है। साथ ही क्लब ने डिजिटल माध्यम पर बढ़ते हुए दर्शकों पर भी नजर बना रखी है।

दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज रद्द की

2023 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने की संभावनाएं घटीं

जोहांसबर्ग ।

दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले साल की शुरुआत में होने वाली एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज को रद्द कर दिया है। इससे दक्षिण अफ्रीका के सीधे 2023 विश्व कप क्वालीफाई करने की संभावनाओं को करारा झटका लगा है क्योंकि सीरीज नहीं होने से उसे तीन अंकों का नुकसान होगा।

वहीं ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट (सीए) ने होबार्ट, सिडनी और पर्थ में 12, 14 और 17 जनवरी को होने वाले मैचों को रद्द किये जाने के क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के फैसले को निराशाजनक बताया है। सीए के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने कहा कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका जनवरी में एकदिवसीय सीरीज नहीं खेल पाएगा। यह पूरी सीरीज आईसीसी सुपर लीग का हिस्सा थी, जिससे 2023 विश्व कप के लिए टीमें सीधे क्वालिफाई करेंगी।

वहीं दक्षिण अफ्रीका की टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दिसंबर और जनवरी में 3 टेस्ट मैचों की सीरीज तय कार्यक्रम के अनुसार ही खेलेगी। कई अन्य कार्यक्रमें में भी बदलाव किया गया है। 7 अक्टूबर को वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 मैच गोल्ड कोस्ट से ब्रिस्बेन जबकि इंग्लैंड के खिलाफ टी20 मैच को ब्रिस्बेन से पर्थ में स्थानांतरित कर दिया है। वहीं 26 जनवरी को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाला महिला टी20 मैच अब कैनबरा की जगह होबार्ट में खेला जाएगा। विश्व कप सुपर लीग में हर मैच के 10 अंक होते हैं। दक्षिण अफ्रीका के एकदिवसीय सीरीज नहीं खेलने पर उसे 30 अंकों का नुकसान हो सकता है। सुपर लीग की बात करें, तो इसमें कुल 13 टीमों को शामिल किया गया है। हर टीम को 24 मुकाबले खेलने हैं। मेजबान भारत सहित शीर्ष -8 टीमों को सीधे प्रवेश मिलेगा जबकि अन्य 5 टीमों को क्वालिफायर खेलना होगा।

मेहुली और साहू से आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप में भारत को पदकों की उम्मीदें

चांगवान ।

निशाने बाज मेहुली घोष और साहू तुषार माने से भारत को आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप में पदकों की उम्मीदें हैं। इन दोनो की टीम ने यहां चौथे दिन मिश्रित टीम क्वालिफायर की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में हंगरी के खिलाफ स्वर्ण पदक के मुकाबले में जगह बनायी है। साहू और मेहुली की जोड़ी 30 टीम के मिश्रित टीम क्वालिफायर में शीर्ष पर रही। दोनों ने क्वालिफायर में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 60 शॉट के बाद कुल 634.3 अंक हासिल किये। वहीं हंगरी की इस्तवान पेनी और एस्टर मेजारोस की जोड़ी ने 630.3 अंक हासिल कर दूसरा स्थान पाया। वहीं 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत के ही शिव नरवाल और पलक की जोड़ी ने क्वालिफायर में तीसरा स्थान हासिल किया और कांस्य पदक के मुकाबले में प्रवेश किया।

शिव और पलक ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में 574 अंक हासिल किये। अन्ना कोराकाकी और डियोनीसियोस कोराकाकिस की यूनान की जोड़ी 579 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही। ओलंपिक चैंपियन जोराना अरुनोविच और दामिर मिकेच की सर्बिया की जोड़ी 584 अंक के साथ शीर्ष पर रही। शिव और पलक कांस्य पदक के मुकाबले में कजाखस्तान की जोड़ी के खिलाफ उतरेंगे। भारत की दो अन्य जोड़ियां 8वें स्थान पर रहने के कारण आगे नहीं बढ़ सकीं। नवीन और रिद्धम सांगवान ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में 570 अंक जबकि अर्जुन बबूता और इलावेनिल वलारिवान ने 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में 627.8 अंक हासिल किये। .

ब्रिटेन में महिलाओं के यूरो कप में जर्मनी और स्पेन के बीच हुए मुकाबले में खेलती हुई खिलाड़ी।

सिंगापुर ओपन : मंजूनाथ ने श्रीकांत को हराकर किया उलटफेर, सिंधू भी जीती

सिंगापुर।

भारत के मिथुन मंजूनाथ ने उलटफेर करते हुए बुधवार को यहां हमवतन और विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत को हराया जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू भी दूसरे दौर में जगह बनाने में सफल रही। अप्रैल में ओरलियांस मास्टर्स सुपर 100 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने वाले मंजूनाथ ने दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत को पहले दौर के मुकाबले में एक घंटे में 21-17 15-21 21-18 से हराया। दुनिया के 77वें नंबर के खिलाड़ी मंजूनाथ अगले दौर में आयरलैंड के एनहाट एनगुएन से भिड़ेंगे। इससे पहले सिंधू को महिला एकल के पहले दौर में दुनिया की 36वें नंबर की खिलाड़ी बेल्जियम की लियाने टैन को 21-15 21-11 से हराने में अधिक मशक्कत नहीं करनी पड़ी। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू अगले दौर में वियतनाम की थुइ लिन एनगुएन से भिड़ेंगी। चौबीस साल के मंजूनाथ ने श्रीकांत के खिलाफ पुरुष एकल मुकाबले में तेज शुरुआत करते हुए 6-2 की बढ़त बनाई। उन्होंने पूरे गेम के दौरान बढ़त बरकरार रखते हुए आसानी से पहला गेम जीत लिया। श्रीकांत ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बनाई और फिर बढ़त में लगातार इजाफा करते हुए गेम जीतकर स्कोर 1-1 कर दिया। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। मंजूनाथ ने बेहतर नियंत्रण दिखाते हुए ब्रेक तक 11-10 की मामूली बढ़त बनाई। श्रीकांत ने 16-15 के स्कोर पर बढ़त हासिल की लेकिन मंजूनाथ ने 18-18 के स्कोर पर लगातार तीन अंक के साथ गेम और मैच जीत लिया। मंजूनाथ इस साल की शुरुआत में कोविड-19 से संक्रमित हो गए थे और उन्हें जनवरी में इंडिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट से हटना पड़ा था। उन्होंने सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और ओडिशा सुपर 100 के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वह बैडमिंटन एशिया टीम चैंपयनशिप के लिए भारतीय टीम का हिस्सा थे। महिला एकल में सिंधू ने धीमी शुरुआत की। वह 1-4 से पीछे थी लेकिन 7-7 के स्कोर पर बराबरी हासिल करने में सफल रही। भारतीय खिलाड़ी ब्रेक तक 11-8 से आगे थी और फिर उन्होंने आसानी से पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में सिंधू ने बेहतर शुरुआत करते हुए 5-1 की बढ़त बनाई। टैन ने लगातार तीन अंक के साथ बढ़त को कम किया लेकिन सिंधू को गेम और मैच जीतने में अधिक दिक्कत नहीं हुई।

संक्षिप्त समाचार

बुमराह आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचे

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईसीसी की ताजा रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में हुए पहले एकदिवसीय में शानदार प्रदर्शन कर छह विकेट लिए थे। बुमराह ने अपने इस प्रदर्शन के साथ ही न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट और पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को पीछे छोड़ते हुए नंबर एक स्थान हासिल किया है। बुमराह ने पांच पायदान ऊंची छलांग लगाकर गेंदबाजों की एकदिवसीय रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया है। बुमराह के खाते में अब कुल 718 रेटिंग अंक को गये हैं। वहीं बोल्ट दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं जबकि अफरीदी तीसरे और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चौथे पायदान पर हैं। बुमराह एकदिवसीय में शीर्ष दस गेंदबाजों में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। वहीं भारत के ही स्पिनर युजवेंद्र चहल 20वें नंबर पर हैं। मोहम्मद शमी 23वें और भुवनेश्वर कुमार 24वें पायदान पर मौजूद हैं। बुमराह इससे पहले, टी20 के भी नंबर-1 गेंदबाज रहे हैं। वह अभी टेस्ट रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है।

राष्ट्रमंडल खेलों में युगल वर्ग में पदक जीत सकते हैं : जोशना चिनप्पा

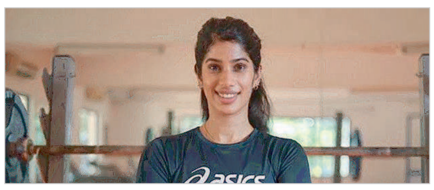

चेन्नई : भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा ने कहा कि भारत बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में युगल वर्ग का स्वर्ण पदक जीत सकता है। चिनप्पा ने यहां एक कार्यक्रम से इतर कहा कि यह सर्वश्रेष्ठ भारतीय टीमों में से एक है। सौरव घोषाल और मैं प्रो टूर पर कई वर्ष से खेल रहे हैं। हम अभी भी विश्व में शीर्ष 20 में हैं। भारत के पास युगल में पदक जीतने का मौका है। उन्होंने कहा कि इस बार हम एकल में भी पदक जीतने का पूरा प्रयास करेंगे। हाल ही में ग्लास्गो में विश्व युगल चैम्पियनशिप जीतने वाली चिनप्पा ने कहा कि वह और दीपिका पल्लीकल काफी मजबूत टीम हैं। उन्होंने कहा कि दीपिका ने शानदार वापसी की है। हमने तीन साल के अंतराल के बाद खेलना शुरू किया और मैं यह देखकर दंग रह गई कि वह कितना अच्छा खेल रही है। उसने काफी मेहनत की है और हम एक मजबूत टीम है। उम्मीद है कि यह कोर्ट पर नजर आएगा। भारत ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2014 में महिला युगल में स्वर्ण पदक जीता जबकि 2018 में गोल्ड कोस्ट खेलों में महिला युगल और मिश्रित युगल में दो रजत पदक जीते।

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंची भारतीय टीम

पाक टीम चौथे स्थान पर खिसकी

दुबई ।

भारतीय क्रिकेट टीम ने मेजबान टीम इंग्लैंड को पहले ही एकदिवसीय में हराकर आईसीसी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर कब्जा किया है। इससे पहले भारतीय टीम आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में चौथे स्थान पर थी। मेजबान टीम से मैच से पहले भारतीय टीम के कुल 105 अंक थे। पहले एकदिवसीय में मिली जीत से उसे 3 अंक मिले और उसके कुल मिलाकर 108 अंक हो गए हैं। इस तरह से भारतीय टीम इंडिया चौथे से तीसरे नंबर पर पहुंच गयी है। वहीं पाकिस्तान टीम के 106 अंक हैं और वह एक स्थान के नुकसान के साथ ही तीसरे से चौथे पर खिसक गयी। वहीं पाक टीम ने पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में सभी मैच जीतने के बाद रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल किया था।

इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अभी भारतीय टीम को दो मुकाबले खेलने हैं। यदि भारतीय टीम इन दोनो ही मैचों को जीत लेती है तो वह अंकों के मामले में पाक से आगे निकल जाएगी। वहीं यदि भारतीय टीम यदि दोनों मैच हार जाती है, तो पाक टीम फिर से नंबर-3 पर आ जाएगी।

पाकिस्तान को अगली एकदिवसीय सीरीज अगस्त में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलनी है। जिसमें कुल 3 मैच खेले जाएंगे। न्यूजीलैंड ने आयरलैंड के खिलाफ पहले दोनों ही एकदिवसीय मैच जीते थे और इस प्रकार टीम रैंकिंग में 126 अंक के साथ ही शीर्ष है। इंग्लैंड 122 अंक के साथ दूसरे, भारतीय टीम 108 अंक के साथ तीसरे और पाक 106 अंक के साथ चौथे नंबर पर है।

रोहित-धवन की जोड़ी ने हासिल की अहम उपलब्धि

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और शिखर धवन की जोड़ी ने मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। । रोहित और धवन ने अपनी इस पारी के दौरान 5000 रन की साझेदारी बनायी। रोहित-धवन की जोड़ी दुनिया की चौथी सलामी जोड़ी है, जिसने यह आंकड़ा हासिल किया है। इससे पहले एकदिवसीय क्रिकेट में सलामी जोड़ी के तौर पर सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली के नाम था। इन दोनों ने 136 पारियों में सलामी जोड़ी के तौर पर 49.32 की औसत से 6609 रन बनाए हैं। . रोहित और धवन की जोड़ी ने 112 पारियों में 5108 रन की साझेदारी की है। अब उनसे आगे केवल सचिन तेंदुलकर-सौरव गांगुली, एडम गिलक्रिस्ट-मैथ्यू हेडन, गॉर्डन ग्रीनिज-डेसमंड हेंस की जोड़ियां ही हैं। गिलक्रिस्ट-हेडन की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने 114 पारियों में पारी की शुरुआत करते हुए 5372 रन की साझेदारी की। वहीं ग्रीनिज-हेंस की कैरेबियाई जोड़ी ने 102 पारियों में 5150 रन जोड़े हैं। इस प्रकार ग्रीनिज-हेंस की जोड़ी का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए रोहित-शिखर की जोड़ी को अब केवल 43 रन और चाहिये। रोहित-धवन यदि 265 रन की साझेदारी और कर लें तो वे गिलक्रिस्ट और हेडन की जोड़ी का रिकॉर्ड भी तोड़ देंगे। रोहित और धवन की जोड़ी सचिन-गांगुली की जोड़ी के ओपनिंग पार्टनरशिप के रिकॉर्ड से 1501 रन पीछे है।

राहुल के लिए छोटे प्रारुप में अपनी जगह बनाये रखना कठिन होगा : गणेश

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व गेंदबाज डोडा गणेश ने कहा है कि बल्लेबाज लोकेश राहुल के लिए आने वाले समय में छोटे प्रारुप में अपनी जगह बनाये रखना कठिन हो जाएगा। राहुल आजकल सर्जरी के कारण टीम से बाहर हैं। ऐसे में उनकी जगह शामिल किये गये युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा है। गणेश के अनुसार राहुल के बाहर होने के कारण शामिल युवा बल्लेबाजों सूर्यकुमार यादव और दीपक हुड्डा ने हाल के दिनों में जिस प्रकार से खेला है। उससे वह मध्यक्रम में राहुल के विकल्प के तौर पर उभरे हैं। हुड्डा और सूर्यकुमार दोनों ने इन सीरीज के दौरान अपने टी20 करियर का पहला शतक लगाया। आयरलैंड के खिलाफ हुड्डा जबकि इंग्लैंड के खिलाफ सूर्यकुमार यादव शतक लगाने में सफल रहे। इस दौरान इन दोनो ही बल्लेबाजो की स्ट्राइक रेट 200 से ज्यादा रही थी। गणेश का मानना है कि ऐसे में राहुल को छोटे प्रारूप में अपनी जगह बनाए रखने के लिए ठीक उसी प्रकार से बल्लेबाजी करनी होगी, जैसे वह पहले किया करते थे। उन्होंने कहा, हुड्डा और सूर्यकुमार ने दिखाया है कि टी20 में बल्लेबाजी कैसे की जाती है। अब समय आ गया है कि राहुल भी अपना स्तर उठाएं और उसी तरह बल्लेबाजी करें जैसे वह चार पांच साल पहले किया करते थे।

विराट के दूसरे एकदिवसीय में खेलने पर भी संदेह

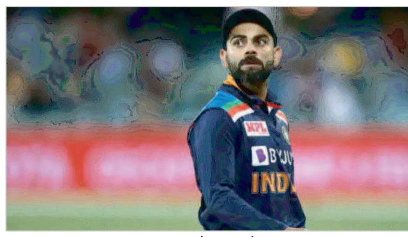

लंदन ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली का मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में भी खेलना संदिग्ध है। विराट आजकल ग्रोइन इंजरी से परेशान हैं। इसी कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय मुकाबले में भी नहीं खेल पाये थे। वहीं अब दूसरे एकदिवसीय तक भी उनका उबर पाना संदिग्ध नजर आ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार अभी तक उनकी चोट ठीक नहीं हुई है। ऐसे में वह लॉर्ड्स में होने वाले दूसरे एकदिवसीय में भी शायद ही खेल पायें। बर्मिंघम में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले में क्षेत्ररक्षण के दौरान कोहली चोटिल हुए थे। पहले एकदिवसीय में विराट की जगह पर युवा बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को अंतिम ग्यारह में जगह मिली थी। विराट के दूसरे एकदिवसीय में खेलने को लेकर अभी तक आधिकारिक तौर पर कोई बयान नहीं आया है। कोहली पहले ही खराब फॉर्म के कारण संघर्ष कर रहे थे अब चोट ने उनकी परेशानी बढ़ा दी है। उनकी जगह पहले ही खतरे में थी और अब फिट नहीं होने के कारण यह समस्या और बढ़ गयी है। ऐसे में उनके पास टी20 विश्व कप की टीम में जगह बनाने के लिए काफी कम मैच रहेंगे। भारत को इंग्लैंड के बाद वेस्टइंडीज दौरे पर भी जाना है। इस दौरे पर भारत को एकदिवसीय के साथ ही टी20 सीरीज भी खेलनी है। विराट को एकदिवसीय सीरीज से आराम दिया गया है पर टी20 सीरीज को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ है। अगर उन्हें टी20 सीरीज के लिए भी आराम दिया जाता है तो फिर वो सीधे एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 टी20 की सीरीज में खेलते नजर आ सकते हैं।

इन हालातों में विराट के पास टी20 विश्व कप से पहले फॉर्म में लौटने के लिए काफी कम मैच होंगे। इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवीसय सीरीज में उनके पास फॉर्म में लौटने का अच्छा अवसर था जो अब निकलता नजर आ रहा है।

काउंटी क्रिकेट में उमेश यादव की एंट्री, चटकाया पहला विकेट

लंदन : भारत के सीनियर तेज गेंदबाज उमेश यादव ने वोरसेस्टरशर के खिलाफ मिडिलसेक्स का प्रतिनिधित्व करते हुए काउंटी चैंपियनशिप में अपना पहला विकेट हासिल किया। उमेश ने मुकाबले के दूसरे दिन अपना पहला काउंटी चैंपियनशिप विकेट चटकाया। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की जगह मिडिलसेक्स ने बाकी बचे सत्र के लिए 34 साल के तेज गेंदबाज उमेश को अनुबंधित किया है। उमेश ने टेलर कोर्नाल को आउट किया। उमेश ने कोर्नाल को बोल्ड किया जिन्होंने 11 रन बनाए। भारत के इस तेज गेंदबाज ने 14 ओवर में 45 रन देकर एक विकेट चटकाया। दूसरे दिन मिडिलसेक्स ने वोरसेस्टरशर को 191 रन पर समेटा और दूसरी पारी में छह विकेट पर 180 रन बनाकर 177 रन की बढ़त बनाई। मिडिलसेक्स ने पहली पारी में 188 रन बनाए थे। उमेश से पहले मौजूदा सत्र में अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा, आलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और कृणाल पंड्या काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं। पुजारा ससेक्स के लिए खेलते हैं जबकि सुंदर और कृणाल ने क्रमश- लंकाशर और वारविकशर के साथ अनुबंध किया है।

भारत में मादक पदार्थों की तस्करी का प्रवेश द्वार बनाता दिख रहा कच्छ, 75.3 किलोग्राम ड्रग्स की पकड़ी गई

अहमदाबाद। गुजरात का कच्छ भारत में मादक पदार्थों की तस्करी का प्रवेश द्वार बनता दिख रहा है। पिछले कुछ वर्षों से कच्छ के समंदर से तस्करी करके लाई गई हेरोइन या कोकीन हो, बंदरगाह पर माल के साथ आने वाली ड्रग्स हो या फिर पाकिस्तान से भेजी गई हेरोइन की बीच समुद्र में बरामदगी, कच्छ में विभिन्न तरीकों से मादक पदार्थों की तस्करी की अंतरराष्ट्रीय कोशिश हो रही है। इसी कड़ी में गुजरात के आतंकवाद निरोधी दस्ते ने मुंद्रा बंदरगाह पर तस्करी करके लाई गई करोड़ों रुपये की हेरोइन बरामद की। इस 75.3 किलोग्राम ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 376.5 करोड़ रुपये आंकी गई है।

गुजरात एटीएस को पंजाब पुलिस के अधिकारियों से जानकारी मिली थी कि मुंद्रा बंदरगाह पर पिछले डेढ़-दो महीने से एक संदिग्ध कंटेनर पड़ा हुआ है, जिसमें नशीले पदार्थ होने की आशंका है। जानकारी की पुष्टि के बाद मुंद्रा के ऑल कार्गो सीएफएस (कंटेनर फ्रेट स्टेशन) पर गुजरात एटीएस की टीम ने छापेमारी की। वहां निजी सीएफएस में रखे कंटेनर की तलाशी से पता चला कि उसमें करीब चार हजार किलोग्राम कपड़ा था, जिसे 540 रोल में लपेटा गया था। पुलिस ने कपड़े के रोल की गहन तलाशी ली, तब 540 में से 64 रोल के अंदर 75.3 किलो ड्रग्स मिला. एटीएस के अनुसार, फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी में इस ड्रग्स की जांच कराई गई, तब पता चला कि ये हाई क्वालिटी की हेरोइन है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसका मूल्य करीब 376.5 करोड़ रुपये है। ये कंटेनर संयुक्त अरब अमीरात के अजमान फ्री जोन से ग्रीन फॉरेस्ट जनरल ट्रेडिंग कंपनी द्वारा भेजा गया था। मुंद्रा बंदरगाह पर यह 13 मई को पहुंचा था, जिस पंजाब भेजा जाना था।

ड्रग्स की तस्करी के लिए इस बार नया तरीका अपनाया गया था। कपड़े के रोल के अंदर कार्डबोर्ड में जगह बनाकर हेरोइन को कपड़े में लपेटकर रखा गया था। कार्डबोर्ड पाइप के ऊपर एक और प्लास्टिक पाइप रखा गया था। दोनों के बीच की खाली जगह में ड्रग्स को पैक किया गया था, फिर दोनों तरफ से टेप से चिपका दिया गया था। इसके अलावा, कार्डबोर्ड पाइप और प्लास्टिक पाइप पर नीला कार्बन पेपर चिपकाया गया था, ताकि एक्स-रे स्कैनिंग के दौरान पकड़ में न आ सके।

गुजरात दंगों से जुड़े मामले में एसआईटी ने पूर्व आईपीएस संजीव भट्ट को किया गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने 2002 के साम्प्रदायिक दंगों से जुड़े एक मामले में पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने संजीव भट्ट को बनासकांठा जिले के पालनपुर जेल से अपनी कस्टडी में ले लिया।। इस संबंध में एक अधिकारी के बताए अनुसार संजीव भट्ट को दंगों के संबंध में बेगुनाह लोगों को गलत तरीके से फंसाने की साजिश के एक मामले में ट्रांसफर वारंट के तहत गिरफ्तार किया गया है। मामले को लेकर अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त चैतन्य मांडलिक ने कहा कि हमने ट्रांसफर वारंट पर पालनपुर जेल से संजीव भट्ट को हिरासत में ले लिया और मंगलवार शाम को उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सेतलवाड़ और गुजरात के पूर्व पुलिस महानिदेशक आर बी श्रीकुमार को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। तीस्ता सेतलवाड और आरबी श्रीकुमार के बाद गिरफ्तार संजीव भट्ट तीसरे आरोपी हैं। गुजरात सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। एटीएस के डीआईजी दीपेन भद्रन की अध्यक्षता में गठित एसआईटी में क्राइम ब्रांच के डीसीपी चैतन्य मांडलिक और एटीएस के एसपी सुनील जोशी इस मामले की जांच कर रहे हैं। बता दें कि पूर्व आईपीएस संजीव भट्ट 2। साल पुराने एक मामले में 2018 से बनासकांठा जिले की पालनपुर जेल में बंद हैं। यह मामला राजस्थान के एक वकील को गलत तरीके से फंसाने से संबंधित हैं। इसके अलावा जामनगर के एक कस्टोडियल डेथ के मामले में संजीव भट्ट को आजीवन कारावास की भी सजा सुनाई गई है।

गुजरात के 27 जलाशयों पर हाईअलर्ट, 12 डैम पर अलर्ट जारी

अहमदाबाद। गुजरात में पिछले कई दिनों से हो रही बारिश ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। जहां देखो वहां पानी ही पानी नजर आ रहा है। भारी बारिश के चलते राज्य के नदी-नाले और डैम छलक गए हैं। व्यापक बारिश होने से राज्य के जलाशयों में 46.91 प्रतिशत जलराशि का संग्रह हुआ है। गुजरात की जीवनदायिनी मानी जाती सरदार सरोवर नर्मदा योजना में 160363 एमसीएफटी जलराशि का संग्रह हुआ है, जो संग्रह शक्ति का 48 प्रतिशत है। जलापूर्ति विभाग के फ्लड सेल के आंकड़ों के अनुसार 13 जुलाई 2022 की स्थिति के मुताबिक 21 जलाशय ऐसे हैं, जहां 100 प्रतिशत भी अधिक पानी का संग्रह हुआ है। 30 जलाशयों मे 70 से 100 प्रतिशत, 27 जलाशयों में 50 से 70 प्रतिशत, सरदार सरोवर बांध समेत 51 जलाशयों में 25 से 50 प्रतिशत, 77 जलाशयों मं 25 प्रतिशत से भी कम जलराशि है। जिसमें उत्तरी गुजरात के 15, मध्य गुजरात के 17, दक्षिण गुजरात के 13, कच्छ के 20 और सौराष्ट्र के 141 जलाशय शामिल हैं। राज्य में लगातार हो रही बारिश के कारण 27 जलाशयों पर हाईअलर्ट जारी किया गया है। जिसमें 21 जलाशय ऐसे हैं जिसमें 100 प्रतिशत से अधिक जलराशि जमा हुई है। जबकि 6 जलाशयों में 90 से 100 प्रतिशत जलराशि का संग्रह हुआ है। वहीं जिन जलाशयों में 80 से 90 प्रतिशत जलराशि का संग्रह हुआ है ऐसे 12 जलाशयों अलर्ट तथा 70 से 80 प्रतिशत जलराशि का संग्रह करनेवाले 11 डेमों पर सामान्य चेतावनी जारी की गई है। राज्य में भारी बारिश के चलते नवसारी समेत कई इलाकों में घुटनों तक पानी भरा हुआ है। वडोदरा में बरसाती पानी में मगरमच्छों को तैरते देख स्थानीय लोगों में दहशत है। वडोदरा के वाघोडिया रोड पर साढ़े चार फूट का मगरमच्छ देख स्थानीय लोगों में अफरातफरी मच गई। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। हर वर्ष बारिश होने और मही नदी का जलस्तर बढ़ने पर मगरमच्छ रिहाइशी इलाकों तक पहुंच जाते हैं।

गुजरात कांग्रेस की कमान फिर एक बार अशोक गहलोत के हाथ में

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश कांग्रेस में जारी गुटबंदी से नाराज पार्टी हाईकमांड ने गुजरात कांग्रेस की कमान फिर एक बार राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हाथों में सौंप दी है। साथ ही कांग्रेस हाईकमांड ने दो ऑब्जर्वर को भी नियुक्त किया है। जिसमें महाराष्ट्र के युवा नेता मिलिंद देवरा और छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव शामिल है। गौरतलब है 201। के विधानसभा चुनाव के दौरान अशोक गहलोत गुजरात कांग्रेस के प्रभारी थे और उस वक्त कांग्रेस ने ।। सीटों पर जीत दर्ज की थी। यह अशोक गहलोत का ही कमाल था कि उस वक्त साम, दाम, दंड, भेद की नीति अपनाकर उम्मीदवारों के चयन से लेकर टिकट आवंटन तक की सारी जिम्मेदारी उन्होंने निभाई थी। नतीजतन 20 साल बाद कांग्रेस को गुजरात विधानसभा के चुनाव में ।। सीटें जीतने में सफलता मिली थी। फिर एक बार गुजरात विधानसभा के चुनाव सिर पर हैं और कांग्रेस में गुटबंदी चरम पर है। जिसे लेकर गुजरात कांग्रेस के कई विधायक और नेताओं ने रघु शर्मा के खिलाफ पार्टी हाईकमांड के समक्ष आक्रोश व्यक्त किया है। गुजरात कांग्रेस के प्रभारी रघु शर्मा के कामकाज से नाराज पार्टी हाईकमांड ने राज्य विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा फैसला करते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी है। बता दें कि रघु शर्मा के गुजरात कांग्रेस का प्रभारी बनने के बाद से अब तक पार्टी के कई प्रदेश नेता और विधायक भाजपा में शामिल हो चुके हैं। जिसमें जयराजसिंह परमार, अश्विन कोटवाल, हार्दिक पटेल, दिनेश शर्मा, अनिल जोशियारा के पुत्र केवल जोशियारा, श्वेता ब्रह्मभट्ट, दलपत वसावा, मणिलालवाघेला और खुमानसिंह वांसिया शामिल हैं। जबकि इंद्रनील राज्यगुरु, कैलास गढ़वी जैसे नेता आम आदमी पार्टी जॉइन कर चुके हैं। जिसे लेकर कांग्रेस हाईकमांड पार्टी के गुजरात प्रभारी रघु शर्मा से बेहद नाराज है। संभावना है कि आगामी समय में मुकुल वासनिक को गुजरात कांग्रेस का प्रभारी बनाया जा सकता है।

सूरत जिले के लाल दरवाजा नारायण मठ में धूमधाम से मनाया गया गुरुपूर्णिमा पर्व

सूरत भूमि, सूरत। गुरुपूर्णिमा पर्व का हिंदू धर्म में बहुत ही आध्यात्मिक महत्व है। गुरु की परंपरा एक अद्भुत परंपरा है जो भारतीय संस्कृति को जोड़ती है। महाभारत से लेकर रामायण तक गुरु का बहुत महत्व है। गुरुपूर्णिमा त्योहार सूरत जिले के भक्तों द्वारा बड़ी भक्ति के साथ मनाया जाता है। सूरत जिले के लाल दरवाजे के पास नारायण मठ अम्बा मंदिर सहित गौशाला मे गायो कि सेवा की जाती है। गुरु पूजन के इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तों को प्रसाद मिलता है। यह पर्व बहुत धूमधाम से मनाया गया।

गुजरात में और 14 लोगों की मौत, 21094 आश्रयस्थल पर, 9848 अपने घरों को लौट गए

अहमदाबाद। गुजरात में भारी बारिश की वजह से जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। राज्य में अब तक 21094 लोगों को आश्रयस्थल पर रखा गया है। 14 और मौतों के साथ ही राज्य में अब तक 83 लोगों की बारिश के दौरान मौत हो चुकी है। जबकि 481 पशुओं की अब तक मौत हो गई। राज्य के जूनागढ़, गिर सोमनाथ, डांग, वलसाड और नवसारी समेत 5 जिलों में रेड अलर्ट के चलते प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। गुजरात सरकार के प्रवक्ता और राजस्व मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी ने राज्य में हो रही बारिश की स्थिति को लेकर स्टेट इमर्जंसी ऑपरेशन सेंटर में समीक्षा बैठक की। बाद में पत्रकारों से बातचीत में राजेन्द्र त्रिवेदी ने बताया कि आज राज्य में बारिश का प्रमाण घटा है। लेकिन अब भी जूनागढ़, गिर सोमनाथ, डांग, वलसाड और नवसारी में भारी से अतिभारी बारिश की संभावनाओं को देखते हुए रेड अलर्ट बरकरार है। राज्य प्रशाशन अब भी स्टेन्ड टू है और नागरिकों के जान-माल की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सतर्क है। बीते दिन मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने प्रभावित क्षेत्रों का हवाई निरीक्षण करने के बाद छोटाउदेपुर के बोडेली के लोगों से मुलाकात की थी और उनकी समस्याओं का तुरंत निपटारा करने क जिला प्रशासन को आदेश दिया था। इसके अलावा नवसारी में आश्रयस्थलों पर रहे प्रभावितों से भी मुख्यमंत्री ने मुलाकात की थी और उनके भोजन इत्यादि जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने के साथ ही प्रभावित क्षेत्रों का युद्धस्तर पर सर्वे कर कैश डोल देने का प्रशासन को आदेश दिया था। राजेन्द्र त्रिवेदी ने बताया कि राज्य के प्रभावित जिलों में एनडीआरएफ की 18 और एसडीआरएफ की 21 टीमों को तैनात किया गया है। जबकि एनडीआरएफ की 2 और एसडीआरएफ 5 टीमें रिजर्व रखी गई हैं। अब तक 575 नागरिकों का रेस्क्यू किया गया है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें, पुलिस और प्रशासन ने स्थानीय युवाओं की मदद से कच्छ जिले के भुज, नखत्राणा, लखपत, अबडासा, मुंद्रा और मांडवी तहसील के विभिन्न गांवों में पानी में फंसे 110 से भी ज्यादा नागरिकों और चार पशुओं बचा लिया। राजस्व मंत्री ने बताया कि पिछले 24 घंटों में 14 मौतों के साथ राज्य में अब तक कुल 83 लोगों की मौत हो चुकी है। जिसमें सबसे अधिक मौतें बिजली गिरने से हुई है। पेड़ गिरने से 2 और 9 लोगों की पानी में बहकर मौत हुई है। राज्य में अब तक 31035 नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है। जिसमें 21094 लोग भी अब भी आश्रयस्थल पर हैं, जबकि 9848 नागरिक अपने घरों को लौट चुके हैं। उन्होंने बताया कि राज्य के गांवों में कार्यरत 14610 रोडवेज बसों के रूट में से केवल 138 गांवों के रूट बंद किए गए हैं और उसमें 14 रूट पर बस सेवा बहाल कर दी गई है। जबकि 124 रूट आज शाम तक बहाल कर दिए जाएंगे। वहीं राज्य के 18 हजार से अधिक गांवों में से केवल I69 गांवों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई थी। अब इन सभी गांवों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है। राजेन्द्र त्रिवेदी ने कहा कि राज्य

फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस ने अधिक समावेशी ई-कॉमर्स पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए पेश की नई नीतियां और क्षमताएं

बेंगलूरू । भारत का घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने ऑनलाइन कारोबार की सुगमता बढ़ाने के लिए कई नई मार्केटप्लेस नीतियों और क्षमताओं के साथ विक्रेताओं के लिए अपनी निरंतर प्रतिबद्धता की घोषणा की। इस पहल का उद्देश्य विक्रेताओं को उनके विकास को बढ़ावा देने के लिए नई क्षमताओं, कार्यक्रमों और लाभों के साथ अपने प्लेरटफॉर्म पर सहज और सुविधाजनक अनुभव प्रदान करना है।

ये नए फीचर्स और क्षमताएं एमएसएमई के लिए ऑनलाइन कारोबार करने में सुगमता तथा उनके सतत विकास का समर्थन करने पर केंद्रित हैं। इनमें ईजी सैटलमेंट (आसान निपटान), सरलीकृत रेट कार्ड, विक्रेताओं के लिए सिंगल फाइनल सैटलमेंट मूल्य, प्लेटफॉर्म शुल्क में कमी, विकास कार्यक्रम - फ्लिपकार्ट इग्नाइट और विक्रेताओं की सहायता के लिए व्यापार विशेषज्ञ, फ्लिपकार्ट प्लेटफॉर्म पर उनके कारोबार को अधिक लाभप्रद बनाने करने के लिए एआई-आधारित कैटलॉगिंग सपोर्ट और अन्य नीतियां शामिल हैं।

फ्लिपकार्ट के वरिष्ठ निदेशक और मार्केटप्लेस ङ्क प्रमुख जगजीत हारोडे ने कहा, ''अपने विक्रेता भागीदारों की वृद्धि और सफलता को सक्षम बनाना फ्लिपकार्ट की शीर्ष प्राथमिकता है। हम विक्रेता पारिस्थितिकी तंत्र की जरूरतों और चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रौद्योगिकी आधारित समाधान तलाशने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने निरंतर विकास और ऑनलाइन कारोबार करने में आसानी सुनिश्चित करने के लिए फ्लिपकार्ट एज (स्नद्यद्बश्च्द्मड्डुह्ल्ह श्वष्ठत्नश्व) पहल के दूसरे चरण की शुरुआत की है। व्यवसाय का भविष्य डिजिटल है और हमने जो पहल और इनोवेशंस पेश किए हैं, वे हमारे एमएसएमई और विक्रेता भागीदारों को अपने व्यवसाय को अधिक लचीला और लाभप्रद बनाने तथा भविष्य के लिए तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने में मदद करेंगे।''

फ्लिपकार्ट के सीनियर डायरेक्टर और मार्केटप्लेस प्रोडक्ट एंड टेक्नोलॉजी के प्रमुख दिव्येश शाह ने कहा, ''हमने रणनीतिक रूप से समाधानों और विकसित क्षमताओं को रेखांकित किया है जो हमारे विक्रेता भागीदारों के लिए हमारे ऑनलाइन मार्केटप्लेस पर व्यापार करना आसान बना देगा। इन नए विकास के जरिए हमारा लक्ष्य तकनीक आधारित हस्तक्षेपों के माध्यम से संचालन की लागत को कम करने, सभी टचपॉइंट पर उनकी सहायता करने और उनकी व्यावसायिक जरूरतों को पूरा करने पर केंद्रित है। हमें विश्वास है कि यह पहल और अधिक विक्रेताओं को ऑनलाइन मार्केटप्लेस अपनाने और उनसे जुड़ी सुविधा का अनुभव लेने के लिए प्रोत्साहित करेगी।''

आकाश BYJU'S सूरत के 12 छात्रों ने जेईई मेन्स 2022 के पहले सत्र में प्रभावशाली 99 प्रतिशत और उससे अधिक अंक हासिल किए

सूरत। सूरत में आकाश बायजू के 13 छात्रों ने जेईई मेन 2022 परीक्षा के पहले सत्र में 99% और उससे अधिक अंक प्राप्त करके राज्य का टॉपर बनकर संस्थान और सूरत को गौरवान्वित किया है। कल रात नेशनल टेस्टिंग द्वारा परिणाम घोषित किया गया। इस साल इंजीनियरिंग के लिए होने वाली दो संयुक्त प्रवेश परीक्षाओं में से यह पहली थी। 99वीं पर्सेंटाइल और उससे अधिक अंक पाने वाले छात्रों में क्रमशः जलधी जोशी ग्रेड 99.97, मयंक सेठिया 99.45, आर्यन भाटिया 99.44, सर्वेश मुरकुटे और प्रियांक पाल्डिया 99.43 हैं।

छात्रों ने दुनिया की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षा IIT JEE को क्रैक करने के लिए दो साल के कक्षा कार्यक्रम में आकाश बायजूज्एस में शामिल हुए। उन्होंने अवधारणाओं को समझने के अपने प्रयासों और अपने सीखने के कार्यक्रम के सख्त पालन के लिए जेईई की शीर्ष प्रतिशत चुनिंदा सूची में प्रवेश करने का श्रेय दिया। "हम आभारी हैं कि आकाश बायजू ने दोनों के लिए हमारी मदद की है। अन्यथा संगठन से सामग्री और कोचिंग के लिए, हम कम समय में विभिन्न विषयों में कई अवधारणाओं को नहीं समझ पाते," उन्होंने कहा।

आकाश बायजू के प्रबंध निदेशक श्री आकाश चौधरी ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा, "हम दोनों छात्रों को उनके अनुकरणीय कारनामों के लिए बधाई देते हैं। जेईई मेन 2022 के पहले सेमेस्टर के लिए देशभर से 9 लाख से ज्यादा छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। टॉप पर्सेंटाइल स्कोरर के रूप में उनकी उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ-साथ उनके माता-पिता के समर्थन के कारण है हम उनके भविष्य के प्रयासों में उनके अच्छे होने की कामना करते हैं।"

उन्होंने कहा कि महामारी से प्रभावित शैक्षणिक वर्षों के दौरान, आकाश BYJU ने जेईई में छात्रों को टॉप पर्सेंटाइल स्कोरर बनाने के लिए अतिरिक्त मील का पत्थर बनाया "हमने इसे अपने छात्रों के लिए हमेशा उपलब्ध कराने के लिए अपनी डिजिटल उपस्थिति बढ़ाई है। हमने अध्ययन सामग्री और प्रश्न बैंकों को ऑनलाइन उपलब्ध कराया है हम परीक्षा की तैयारी और समय प्रबंधन करते हैं। कौशल पर कई आभासी प्रेरक सत्र और सेमिनार आयोजित किए। हमारे प्रयासों को फल देते हुए देखना खुशी की बात है, जो हमारे छात्रों की स्कोर शीट से स्पष्ट है, उनमें से कई अपनी पसंद के उच्च अध्ययन को आगे बढ़ाने के लिए शीर्ष IIT या NIT या केंद्र सरकार के इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश पाने की राह पर हैं।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)